संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 133
पृष्ठ 8
रविवार
01 फरवरी 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- पसीने की बदबू दूर करने के...

विचार- दादा गए, क्या फडनवीस को फायदा...

खेल- सेमीफाइनल का टिकट पक्का...

बंगाल में एसआईआर से घुसपैठिए बाहर होंगे : शाह

जो रह जाएंगे उनको भाजपा का सीएम निकाल देगा, ये साल टीएमसी को 'टाटा, बाय-बाय' कहने का है

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में भाजपा ने अपना चुनावी बिगुल फूंक दिया है। इस कड़ी में अब शनिवार को उत्तर 24 परगना में दिग्गज नेता और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। अपने संबोधन में शाह ने कहा कि अब टीएमसी की विदाई का समय आ गया है। इसी के गृहमंत्री अमित शाह ने ममता सरकार पर घुसपैठियों को संरक्षण देने का भी आरोप लगाया।

अपने संबोधन में अमित शाह ने कहा कि बंगाल के लोग टीएमसी को उखाड़ फेकेंगे। इनकी विदाई का समय आ गया है। इसी के साथ गृहमंत्री ने ममता बनर्जी और उनकी पार्टी पर वंदे मातरम के अपमान का भी आरोप लगाया।

कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए अमित शाह ने

कहा, श्इस साल वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ है। पीएम मोदी की सरकार ने पूरे देश में वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ मनाने का फैसला किया है, लेकिन विडंबना देखिए। जब बंगाल में जन्मे और बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित वंदे मातरम पर संसद में चर्चा हुई, तो ममता बनर्जी के सांसदों ने चर्चा का विरोध किया। क्या बंगाल की धरती वंदे मातरम के इस विरोध को बर्दाश्त कर सकती है? हमें यह संदेश बंगाल के हर व्यक्ति, हर वोटर, हर नागरिक तक पहुंचाना है कि ममता बनर्जी और टीएमसी वोट बैंक की राजनीति और घुसपैठियों को खुश करने के लिए वंदे मातरम का विरोध कर रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा, श्वंदे मातरम का विरोध करके ममता बनर्जी नरेंद्र मोदी का विरोध नहीं कर रही हैं, बल्कि वह बंगाल की पहचान और भारत के गौरव का विरोध कर रही हैं। मैं बंगाल के लोगों से अपील करता हूं कि अगले चुनावों में बंगाल की पहचान का विरोध करने वाली टीएमसी को पूरी तरह से उखाड़ फेंकें और यहां देशभक्तों की सरकार लाएं।

वहीं आनंदपुर अग्निकांड पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, श्आनंदपुर में लगी आग कोई हादसा नहीं है। 25 लोगों की जान चली गई है, और 27 लोग लापता हैं। यह घटना क्यों हुई? इस मोमो फैक्ट्री में किसका पैसा लगा है? मोमो फैक्ट्री के मालिक कौन हैं? मोमो फैक्ट्री के मालिक किसके साथ फ्लाइट से विदेश गए हैं? और मोमो फैक्ट्री के मालिक को अभी तक गिरफ्तार क्यों नहीं किया गया? अगर ये घुसपैठिए (मृतक) होते तो क्या ममता बनर्जी की प्रतिक्रिया ऐसी ही होती? बंगाली नागरिकों की हत्या हुई है। इस मामले में आप वोट बैंक की राजनीति क्यों कर रही हैं? ममता बनर्जी को शर्म आनी चाहिए।

उन्होंने आगे कहा, श्आज, मैं यहां से मांग करता हूं कि बंगाल की मुख्यमंत्री इस घटना की निष्पक्ष, न्यायिक जांच कराएं, और जो लोग इसके लिए जिम्मेदार हैं, उन्हें जेल भेजा जाए। सुवेंदु अधिकारी और सामिक भट्टाचार्य पीड़ितों के परिवारों से मिलने गए थे।

अरब देशों के साथ व्यापार, ऊर्जा और प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में सहयोग प्रगाढ बनाने को प्रतिबद्ध है भारत : मोदी

नयी दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अरब देशों के साथ व्यापार और निवेश, ऊर्जा, प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य सेवा तथा अन्य क्षेत्रों में सहयोग को और प्रगाढ बनाने की भारत की प्रतिबद्धता को दोहराया है। श्री मोदी ने शनिवार को यहां अरब देशों के विदेश मंत्रियों, अरब लीग के महासचिव तथा अरब देशों के प्रतिनिधिमंडलों के प्रमुखों से मुलाकात की।

ये सभी प्रतिनिधि भारतदृअरब विदेश मंत्रियों की द्वितीय बैठक में भाग लेने के लिए भारत यात्रा पर हैं।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने भारत और अरब जगत के लोगों के बीच गहरे और ऐतिहासिक संबंधों को रेखांकित किया। इससे वर्षों से परस्पर रिश्तों और सुदृढ़ हुए हैं।

प्रधानमंत्री ने आने वाले वर्षों के लिए भारतदृअरब साझेदारी के बारे में अपना दृष्टिकोण साझा किया और व्यापार एवं निवेश, ऊर्जा, प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य सेवा तथा अन्य प्राथमिक क्षेत्रों में सहयोग को और अधिक मजबूत करने की भारत की प्रतिबद्धता दोहरायी ताकि दोनों पक्षों के लोगों को परस्पर लाभ मिल सके।

श्री मोदी ने फिलिस्तीन के समर्थन को दोहराया और गाजा शांति योजना सहित शांति प्रयासों का स्वागत किया। उन्होंने क्षेत्रीय शांति, स्थिरता और संवाद को बढ़ावा देने में अरब लीग की महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना भी की।

किश्तवाड़ में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ जारी, तीन जवान घायल

किश्तवाड़ । जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के डोलगाम इलाके में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ जारी है। इस मुठभेड़ के दौरान सूत्रों के अनुसार तीन सुरक्षाकर्मी घायल हो गए हैं, जिन्हें इलाज के लिए उधमपुर के मिलिट्री अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार इस ऑपरेशन में भारतीय सेना की व्हाइट नाइट कॉर्प्स शामिल है और इसे ऑपरेशन त्राशी-I नाम दिया गया है। शनिवार तड़के सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच एक बार फिर संपर्क स्थापित हुआ, जिसके बाद इलाके में तलाशी अभियान तेज कर दिया गया। सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ के जवानों ने संयुक्त रूप से पूरे क्षेत्र को घेर लिया है और आतंकियों की तलाश में अभियान जारी है। सुरक्षाबल हालात पर पूरी तरह नजर बनाए हुए हैं।

अजित की इच्छा पूरी होनी चाहिए- शरद पवार

बारामती (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पूर्व डिप्टी सीएम अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार के उप मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ग्रहण की खबरों के बीच एनसीपी-एसपी प्रमुख शरद पवार ने कहा कि उन्हें इसके बारे में कोई जानकारी नहीं है। बारामती में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए शरद पवार ने कहा कि उन्हें शपथ ग्रहण के बारे में मीडिया रिपोर्ट्स से पता चला। बता दें कि, दोनों नेताओं (शरद पवार और अजित पवार) 17 जनवरी को गोविंदबाग में एक बैठक की थी। वरिष्ठ नेता ने आगे दावा किया कि दोनों गुटों को एकजुट करना उनके दिवंगत भतीजे अजित पवार की इच्छा थी, और वे इस बारे में आशावादी थे। उन्होंने कहा, श्अब हमें लगता है कि उनकी

इच्छा पूरी होनी चाहिए। अजित पवार, शशिकांत शिंदे और जयंत पाटिल ने दोनों गुटों के विलय के बारे में बातचीत शुरू की थी। विलय की तारीख भी तय हो गई थी – यह 12 तारीख (फरवरी) को तय था। दुर्भाग्य से, अजित उससे पहले ही हमें छोड़कर चले गए। वहीं जब उनसे पूछा गया कि क्या पवार परिवार से कोई इस समारोह में शामिल होगा, तो उन्होंने कहा, श्हमें शपथ ग्रहण के बारे में नहीं पता। हमें इसके बारे में खबरों से पता चला। मुझे शपथ ग्रहण के बारे में कोई जानकारी नहीं है।श उन्होंने कहा कि यह फैसला एनसीपी ने लिया होगा। उन्होंने आगे कहा, श्प्रफुल्ल पटेल और सुनील तटकरे जैसे कुछ लोगों ने पहल की। इन लोगों ने शायद कुछ तय किया होगा। वहीं प्रफुल पटेल और सुनील तटकरे द्वारा श्जल्दबाजी में लिए गए फैसलोंश के बारे में पूछे जाने पर, एनसीपी-एससीपी प्रमुख शरद पवार ने कहा, श्मुझे जो पता है वह यह है कि हमारी पार्टी (एनसीपी-एससीपी) और अजित पवार की पार्टी (एनसीपी) के साथ मिलकर काम करने की प्रक्रिया शुरू हो गई थी और इस पर जल्द ही फैसला लिया जाना था। हालांकि, यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना (अजित पवार का निधन) घटित हो गई। वहीं शरद पवार से जब मीडियाकर्मियों ने पूछा कि क्या एनसीपी के दोनों गुटों के विलय की स्थिति में वह एनडीए का हिस्सा बनने पर विचार करेंगे, तो शरद पवार ने साफ कहा कि, श्यह सब आपकी तरफ (मीडिया) चल रहा है, यहां ऐसा कुछ भी नहीं है।

सुनेत्रा पवार ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली

मुंबई (एजेंसी)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के दिवंगत नेता अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार ने शनिवार शाम यहां महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। वह राज्य की पहली महिला उपमुख्यमंत्री बनी हैं।

श्रीमती पवार को राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने राजभवन में आयोजित संक्षिप्त समारोह में पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलायी। इसके साथ ही वह अपने पति दिवंगत अजित पवार के स्थान पर फडणवीस मंत्रिमंडल में शामिल हो गयीं। श्री अजित पवार, राज्य मंत्रिमंडल में उपमुख्यमंत्री थे।

उनका 28 जनवरी को बारामती में एक विमान दुर्घटना में निधन हो गया था। उपमुख्यमंत्री रहते हुए श्री पवार के पास वित्त, खेल, आबकारी जैसे मंत्रालय थे।

शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, मंत्रिमंडल के अन्य सदस्य, राकांपा के वरिष्ठ प्रफुल्ल पटेल समेत पार्टी के कई नेता तथा

कार्यकर्ता और कुछ अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

इससे पहले शनिवार दोपहर में श्रीमती पवार को राकांपा विधायक दल का नेता चुना गया था। वह इस समय राज्यसभा की सांसद हैं।

श्रीमती पवार का जन्म महाराष्ट्र के धाराशिव जिले में 18 अक्टूबर 1963 को एक किसान परिवार में हुआ। भगवंतराव पाटिल और द्रौपदी बाजीराव पाटिल के घर पैदा हुईं सुनेत्रा ने औरंगाबाद में एसबी कॉलेज से वाणिज्य में स्नातक की पढ़ाई की। उनकी 1985 में अजित पवार से शादी हुई।

उन्होंने 2010 में भारतीय पर्यावरण मंच नाम के गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) बनाया। इस एनजीओ ने देश में इको-विलेज मॉडल की अवधारणा को सशक्त बनाया है। उन्होंने जैव-विविधता के संरक्षण और जल संसाधन प्रबंधन के क्षेत्र में बहुत काम किया है।

इसके अलावा उन्होंने महाराष्ट्र के 86 गांवों में निर्मल ग्राम आंदोलन नाम के एक स्वयं-सहायता समूह की अगुवाई भी की। उन्होंने इस आंदोलन की बदौलत काटेवाड़ी गांव को 2008 में देश का पहला इको-विलेज बनाया। सुश्री पवार 2006 से बारामती हाई-टेक टेक्सटाइल पार्क की अध्यक्ष हैं।

बिना सलाह के फैसले लेना सरकार की आदत : कपिल सिब्बल

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूजीसी के संसदीय नियमों को लेकर जारी विवाद के बीच राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि सरकार का किसी से सलाह-मशविरा न करने का रवैया उसके हर फैसले में दिखाई देता है। सिब्बल ने चेतावनी दी कि समाज के किसी भी वर्ग को नजरअंदाज करना देश के भविष्य के लिए नुकसानदायक हो सकता है। सिब्बल ने एक इंटरव्यू में कहा कि यूजीसी के नए संसदीय नियमों पर मामला उच्चतम न्यायालय में लंबित है, इसलिए इस पर सीधे टिप्पणी करना उचित नहीं होगा। लेकिन व्यापक दृष्टिकोण से उन्होंने कहा कि भारत तभी विकसित राष्ट्र बन सकता है, जब हर वर्ग को साथ लेकर नीतियां बनाई जाएं। उन्होंने कहा कि समाज में विभाजन पैदा करने वाली कोई भी कोशिश देश के हित में नहीं है। सिब्बल ने कहा कि 2014 से जब भारत सरकार में मौजूदा नेतृत्व आया, तब से नीतियां बिना व्यापक चर्चा के बनाई जा रही हैं। उनके अनुसार, सरकार अपने विचार किसी से साझा नहीं करती और यही प्रवृत्ति हर बड़े फैसले में नजर आती है। उन्होंने कहा कि भारत जैसे विविधता वाले देश में सभी समुदायों की चिंताओं को ध्यान में रखना जरूरी है।

मेरी एक ही पार्टी है कांग्रेस : शशि थरूर

नयी दिल्ली (एजेंसी)। अपनी पार्टी से नाराजगी व मतभेद की खबरों के बीच कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने एक बार फिर साफ-साफ कह दिया कि वे पार्टी छोड़कर कहीं नहीं जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आगामी केरल विधानसभा चुनाव में सिर्फ अपनी पार्टी कांग्रेस और यूडीएफ की जीत चाहते हैं और खुद भी इसके लिए प्रचार करेंगे। तिरुवनंतपुरम में शनिवार को पत्रकारों से बात करते हुए थरूर ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि उनकी एकमात्र इच्छा केरल में होने वाले विधानसभा चुनावों में अपनी पार्टी और गठबंधन की जीत देखना है। उन्होंने यह भी कहा कि वह पार्टी और गठबंधन की जीत के लिए प्रचार करेंगे। थरूर ने इस बात पर भी जोर दिया कि उनकी केवल एक ही पार्टी है, और वह है कांग्रेस। यह सवाल बार-बार न पूछा जाए। इससे पहले शुक्रवार को भी उन्होंने साफ किया था कि वह कांग्रेस में ही रहेंगे और कहीं नहीं जा रहे हैं।

कफ सिरप कांड में बड़ी कार्रवाई: भोला की 5.77 करोड़ की संपत्ति जब्त, अब तक 34.50 करोड़ पर चला पुलिस का शिकंजा

सोनभद्र (संवाददाता)। कोडीन युक्त कफ सिरप की तस्करी में संलिप्त भोला प्रसाद जायसवाल के खिलाफ पुलिस की बड़ी कार्रवाई जारी है। पूर्व में 28.50 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त किए जाने के बाद अब सोनभद्र पुलिस ने करीब 5.77 करोड़ रुपये की और संपत्ति कुर्क कर ली है। इस तरह अब तक तस्कर की कुल 34.27 करोड़ रुपये से अधिक की अवैध संपत्ति

जब्त की जा चुकी है। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। थाना रॉबर्ट्सगंज में दर्ज एफआईआर के तहत आरोपी प्रहलाद घाट के कायस्थ टोला निवासी भोला प्रसाद के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। न्यायालय के आदेश के अनुपालन में 23 जनवरी को पहले ही 28.50 करोड़ रुपये की चल-अचल संपत्ति जब्त की जा चुकी थी। इसके बाद धारा 68-एफ एनडीपीएस एक्ट के तहत वाराणसी जनपद में अभियुक्त और उसके परिजनों की संपत्तियों पर कुर्की की गई।

माह में दो शनिवार कोर्ट खोलने के प्रस्ताव का हाईकोर्ट बार ने किया विरोध, कहा- बढ़ेगा मानसिक दबाव

प्रयागराज। महीने में दो शनिवार को हाईकोर्ट खोलने के प्रस्ताव का इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने कड़ा विरोध किया है। इस संबंध में बार एसोसिएशन की ओर से अवध बार एसोसिएशन, इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच सहित देश भर की हाईकोर्ट बार एसोसिएशनों को पत्र भेजकर एकजुट होकर विरोध करने का आह्वान किया गया है।

महीने में दो शनिवार को हाईकोर्ट खोलने के प्रस्ताव का इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने कड़ा विरोध किया है। इस संबंध में बार एसोसिएशन की ओर से अवध बार एसोसिएशन, इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच सहित देश भर की हाईकोर्ट बार एसोसिएशनों को पत्र भेजकर एकजुट होकर विरोध करने का आह्वान किया गया है। यह पत्र हाईकोर्ट बार के अध्यक्ष राकेश पांडे और महासचिव अखिलेश शर्मा की ओर से जारी किया गया है। पत्र में कहा गया है कि यह प्रस्ताव देखने में आकर्षक लग सकता है, लेकिन व्यावहारिक रूप से इससे न्याय की गुणवत्ता प्रभावित होगी। अधिवक्ताओं, न्यायिक कार्य करने वालों व न्यायालय कर्मचारियों पर शारीरिक और मानसिक दबाव बढ़ेगा। बार एसोसिएशन का कहना है कि हाईकोर्ट सप्ताह में पहले ही पांच दिन सुबह 10 बजे से शाम चार बजे तक कार्य करता है, जबकि अधिवक्ताओं का कार्य इससे कहीं अधिक समय लेता है।

रायबरेली, गोरखपुर के बाद अब प्रयागराज में एम्स की दरकार, एसआरएन को मिले दर्जा

प्रयागराज। संगम नगरी को स्वास्थ्य सेवाओं का महाकेंद्र बनाने की मांग जोर पकड़ने लगी है। प्रदेश का सबसे अधिक आबादी वाला जिला और न्याय का सबसे बड़ा मंदिर (हाईकोर्ट) समेटे यह शहर काफी समय से अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) की बाट जोह रहा है। संगम नगरी को स्वास्थ्य सेवाओं का महाकेंद्र बनाने की मांग जोर पकड़ने लगी है। प्रदेश का सबसे अधिक आबादी वाला जिला और न्याय का सबसे बड़ा मंदिर (हाईकोर्ट) समेटे यह शहर काफी समय से अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) की बाट जोह रहा है।

राजनीतिक गलियारों से लेकर सामाजिक मंचों तक, अब यह स्वर मुखर हो गया है कि रायबरेली और गोरखपुर के बाद अगला एम्स प्रयागराज के हक में होना चाहिए।

प्रयागराज में एम्स की स्थापना को लेकर बृहस्पतिवार को राज्यसभा सांसद अमरपाल मौर्य ने सदन में प्रभावी ढंग से आवाज उठाई। उन्होंने तर्क दिया कि प्रयागराज आध्यात्मिक प्रशासनिक और न्याय का केंद्र है। यह प्रदेश का एक ऐसा हब है जो पूर्वांचल, बुंदेलखंड और मध्य भारत को जोड़ता है।

इंतजार खत्म, असिस्टेंट प्रोफेसर व एपीएस परीक्षा की तिथि घोषित

प्रयागराज। आखिर अभ्यर्थियों का इंतजार खत्म हुआ और उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग ने भर्ती परीक्षाओं के कैलेंडर में असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती प्रारंभिक परीक्षा–2025 एवं अपर सचिव सचिव (एपीएस) भर्ती–2023 के तृतीय चरण की परीक्षा तिथि घोषित कर दी।

आखिर अभ्यर्थियों का इंतजार खत्म हुआ और उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग ने भर्ती परीक्षाओं के कैलेंडर में असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती प्रारंभिक परीक्षा–2025 एवं अपर सचिव सचिव (एपीएस) भर्ती–2023 के तृतीय चरण की परीक्षा तिथि घोषित कर दी। राजकीय महाविद्यालयों में असिस्टेंट प्रोफेसर के पदों पर भर्ती के लिए प्रारंभिक परीक्षा 31 मई और एपीएस भर्ती–2023 के तृतीय चरण की परीक्षा सात जून को होगी। असिस्टेंट प्रोफेसर के पदों पर भर्ती के लिए पहली बार प्रारंभिक व मुख्य परीक्षा होगी।

इससे पहले केवल स्क्रीनिंग परीक्षा होती थी और स्क्रीनिंग में अभ्यर्थियों की छंटनी के बाद केवल इंटरव्यू में मिले अंकों के आधार पर चयन कर लिया जाता था जिसमें पक्षपात के आरोप लगते थे। अब मुख्य परीक्षा होने से योग्यता का निर्धारण बेहतर ढंग से हो सकेगा। साथ ही भर्ती में पारदर्शिता आएगी।

परीक्षाओं का कैलेंडर

परीक्षा का नाम – प्रस्तावित परीक्षा तिथि

समीक्षा अधिकारी/सहायक समीक्षा अधिकारी आदि (मुख्य) परीक्षा 2023 – दो फरवरी

कंप्यूटर सहायक (उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग) परीक्षा 2025 – छह फरवरी

स्थापत्य एवं नियोजन सहायक (मुख्य) परीक्षा 2024 – 24 फरवरी

स्टाफ नर्स यूनानी (पुरुष/महिला) (प्रारंभिक) परीक्षा 2025 – 17 मार्च

सहायक अभियोजन अधिकारी प्रारंभिक परीक्षा 2025 – 22 मार्च

सम्मिलित राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा (पीसीएस) मुख्य परीक्षा–2025 – 29 मार्च से (चार दिन)

सहायक अध्यापक, प्रशिक्षित स्नातक श्रेणी (पुरुष/महिला शाखा) (प्रारंभिक) परीक्षा 2025 (कंप्यूटर) – पांच अप्रैल

उत्तर प्रदेश प्राविधिक शिक्षा (अध्यापन) सेवा परीक्षा 2025 (प्रधानाचार्य) – नौ अप्रैल

सहायक अध्यापक, प्रशिक्षित स्नातक श्रेणी (पुरुष/महिला शाखा) मुख्य परीक्षा 2025 (वाणिज्य) – 22 अप्रैल

सहायक अध्यापक, प्रशिक्षित स्नातक श्रेणी (पुरुष/महिला शाखा) मुख्य प्रारंभिक परीक्षा 2025 (संस्कृत) – 23 अप्रैल

प्रवक्ता (पुरुष/महिला) राजकीय इंटर कॉलेज (प्रारंभिक) परीक्षा 2025 –तीन मई

सहायक अध्यापक, प्रशिक्षित स्नातक श्रेणी (पुरुष/महिला शाखा) मुख्य परीक्षा 2025 (विज्ञान, गृह विज्ञान एवं कृषि/उद्यानकर्म) – 16 मई

सहायक अध्यापक, प्रशिक्षित स्नातक श्रेणी (पुरुष/महिला शाखा) मुख्य परीक्षा 2025 (हिंदी, गणित एवं अंग्रेजी) – 17 मईद्य

सहायक आचार्य, राजकीय महाविद्यालय परीक्षा 2025 – 31 मई

अपर निजी सचिव (तृतीय चरण) परीक्षा 2023 – सात जून

सहायक अध्यापक, प्रशिक्षित स्नातक श्रेणी (पुरुष/महिला शाखा) मुख्य परीक्षा 2025 (जीव विज्ञान, कला एवं उर्दू) – 13 जून

सहायक अध्यापक, प्रशिक्षित स्नातक श्रेणी (पुरुष/महिला शाखा) मुख्य परीक्षा 2025 (सामाजिक विज्ञान, शारीरिक शिक्षा एवं संगीत) – 14 जूनद्य

स्टाफ नर्स यूनानी (पुरुष/महिला) (मुख्य) परीक्षा 2025 – 17 जून

सहायक अभियोजन अधिकारी मुख्य परीक्षा 2025 – 28 जून से (तीन दिन)

सहायक नगर नियोजक (विशेष चयन) प्रारंभिक परीक्षा 2025 – सात जुलाई

सहायक वन संरक्षक (एसीएफ)/ क्षेत्रीय वन अधिकारी (आरओएफ) सेवा मुख्य परीक्षा 2025 – 14 जुलाई से (10 दिन)

सहायक अध्यापक, प्रशिक्षित स्नातक श्रेणी (पुरुष/महिला शाखा) मुख्य परीक्षा 2025 (कंप्यूटर) – 16 अगस्त

प्रवक्ता (पुरुष/महिला) राजकीय इंटर कॉलेज मुख्य परीक्षा 2025 – 30 अगस्त

उत्तर प्रदेश प्राविधिक शिक्षा (अध्यापन) सेवा परीक्षा 2025 (व्याख्या आदि) – छह सितंबरद्य

शोध सहायक (अभियंत्रण) परीक्षा 2025 – आठ सितंबर

सहायक आचार्य, राजकीय महाविद्यालय मुख्य परीक्षा 2025 (वनस्पति विज्ञान एवं चित्रकला) – 15 सितंबर

सहायक आचार्य, राजकीय महाविद्यालय मुख्य परीक्षा 2025 (रसायन विज्ञान एवं शिक्षाशास्त्र) – 16 सितंबर

सहायक आचार्य, राजकीय महाविद्यालय मुख्य परीक्षा 2025 (अंग्रेजी एवं गृह विज्ञान) – 17 सितंबर

सहायक आचार्य, राजकीय महाविद्यालय मुख्य परीक्षा 2025 (हिंदी एवं गणित) – 18 सितंबर

सहायक आचार्य, राजकीय महाविद्यालय मुख्य परीक्षा 2025 (समाजशास्त्र एवं रक्षा अध्ययन/सैन्य विज्ञान) – 22 सितंबर

सहायक आचार्य, राजकीय महाविद्यालय मुख्य परीक्षा 2025 (जंतु विज्ञान एवं दर्शनशास्त्र) – 23 सितंबर

सहायक आचार्य, राजकीय महाविद्यालय मुख्य परीक्षा 2025 (अर्थशास्त्र एवं भूगोल) – 24 सितंबर

सहायक आचार्य, राजकीय महाविद्यालय मुख्य परीक्षा 2025 (इतिहास एवं शारीरिक शिक्षा) – 25 सितंबर

सहायक आचार्य, राजकीय महाविद्यालय (मुख्य) परीक्षा 2025 (भौतिक विज्ञान एवं राजनीति विज्ञान) – 28 सितंबरद्य

सहायक आचार्य, राजकीय महाविद्यालय (मुख्य) परीक्षा 2025 (संस्कृत, मनोविज्ञान एवं संगीत गायन) – 29 सितंबर

सहायक आचार्य, राजकीय महाविद्यालय (मुख्य) परीक्षा 2025 (वाणिज्य, कंप्यूटर एवं फारसी) – 30 सितंबर

सहायक आचार्य, राजकीय महाविद्यालय (मुख्य) परीक्षा 2025 (संगीत वादन सितार, संगीत वादन तबला, सांख्यिकी एवं उर्दू) – एक अक्तूबर

पशुचिकित्सा अधिकारी स्क्रीनिंग परीक्षा 2025 – तीन अक्तूबर

स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी स्क्रीनिंग परीक्षा 2025 – चार अक्तूबर

सहायक नगर नियोजक (विशेष चयन) मुख्य परीक्षा–2025 – छह अक्तूबर

होम्योपैथिक चिकित्साधिकारी एवं चिकित्साधिकारी (होम्योपैथी निदेशालय) एवं चिकित्साधिकारी (होम्योपैथिक) (श्रम विभाग) स्क्रीनिंग परीक्षा 2025 – 24 अक्तूबर

दंत सर्जन स्क्रीनिंग परीक्षा 2025 – 25 अक्तूबर

विधीक्षण अधिकारी स्क्रीनिंग परीक्षा 2025 – 26 अक्तूबर

प्रवक्ता, राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय स्क्रीनिंग परीक्षा 2023 (प्रथम सत्र – शालाक्य तंत्र) – दो नवंबर

प्रवक्ता, राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय स्क्रीनिंग परीक्षा 2023 (द्वितीय सत्र – प्रसूति तंत्र एवं स्त्री रोग) – दो नवंबर

प्रवक्ता, राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय स्क्रीनिंग परीक्षा 2023 (प्रथम सत्र – रोग निदान) – तीन नवंबर

प्रवक्ता, राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय स्क्रीनिंग परीक्षा 2023 (द्वितीय सत्र – अगद तंत्र एवं विधि आयुर्वेद) – तीन नवंबर

प्रवक्ता, राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय स्क्रीनिंग परीक्षा 2023 (प्रथम सत्र – रस शास्त्र एवं भैषज्य कल्पना) – चार नवंबर

प्रवक्ता, राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय स्क्रीनिंग परीक्षा 2023 (द्वितीय सत्र – द्रव्य गुण) – चार नवंबर

प्रवक्ता, राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय स्क्रीनिंग परीक्षा 2023 (प्रथम सत्र – संहिता संस्कृत एवं सिद्धांत) – पांच नवंबर

प्रवक्ता, राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय स्क्रीनिंग परीक्षा 2023 (द्वितीय सत्र – क्रिया शारीर) – पांच नवंबर

प्रवक्ता, राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय स्क्रीनिंग परीक्षा 2023 (प्रथम सत्र – स्वास्थवृत्त) – छह नवंबर

प्रवक्ता, राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय स्क्रीनिंग परीक्षा 2023 (द्वितीय सत्र – रचना शारीर) – छह नवंबर

सम्मिलित राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा (पीसीएस) मुख्य परीक्षा 2026 – छह दिसंबर

औषधि निरीक्षक स्क्रीनिंग परीक्षा 2025 – 16 दिसंबर

सहायक वास्तुविद (लोक निर्माण विभाग) स्क्रीनिंग परीक्षा 2024 – 17 दिसंबर

चिकित्साधिकारी (आयुर्वेद, सामुदायिक स्वास्थ्य (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) एवं यूनानी) स्क्रीनिंग परीक्षा 2025 – 18 दिसंबर

कैलेंडर में पीसीएस छोड़ कोई भी नई भर्ती शामिल नहीं

आयोग के कैलेंडर में शामिल 57 परीक्षाओं में पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा–2026 को छोड़कर कोई भी नहीं भर्ती परीक्षा शामिल नहीं है।

बाकी सभी परीक्षाओं से जुड़ी भर्तियों के विज्ञापन वर्ष 2023, 2024 व 2025 में जारी किए जा चुके हैं। दो महत्वपूर्ण भर्तियों समीक्षा अधिकारी (आरओ)/सहायक समीक्षा अधिकारी (एआरओ) भर्ती और पीसीएस जे भर्ती को भी कैलेंडर में जगह नहीं मिली है। इससे पूर्व आरओ/एआरओ भर्ती का विज्ञापन वर्ष 2023 और पीसीएस जे भर्ती का विज्ञापन वर्ष 2022 में जारी किया गया था।

वर्ष 2026 में आरक्षित तिथियां

नगर निगम, प्रयागराज

सार्वजनिक सूचना

एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित भवनों पर नामान्तरण (दाखिल खारिज) / विभाजन की कार्यवाही जोन–05 नैनी में विचाराधीन है उक्त के सम्बन्ध में यदि किसी की आपत्ति हो तो कारण/आधार/साक्ष्य सहित अपनी आपत्ति जोन कार्यालय में विज्ञापन की तिथि से 15 दिनों के अन्दर दाखिल कर दें अन्यथा एक पक्षीय कार्यवाही की जायेगी जिसका सम्पूर्ण उत्तरदायित्व आपका होगा।

क्र० सं०	भवन सं०/मोहल्ला	दर्ज भवन स्वामी का नाम	आधार	जिसके नाम दर्ज होगा
1	25/597 श्री आशुतोष गुप्ता	भवन सं० 17ए/1 महेवा पट्टी उपरहार बनाम श्रीमती सूरजकली पत्नी श्री ज्ञान चन्द्र साहू	बैनामा	दर्ज नाम के स्थान पर श्री आशुतोष गुप्ता पुत्र श्री अशोक कुमार गुप्ता का नाम दर्ज होगा।
2	3/630 श्री उमेश प्रसाद त्रिपाठी	भवन सं० 616/366 चक रघुनाथ बनाम श्रीमती कलेश्वपति देवी	वसीयत	दर्ज नाम के स्थान पर श्री उमेश प्रसाद त्रिपाठी वगैरह का नाम दर्ज होगा।
3	65/630 श्रीमती दीपा सिंह	भवन सं० 210/4 चक रघुनाथ बनाम श्रीमती लक्ष्मी सिंह	बैनामा	दर्ज नाम के स्थान पर श्रीमती दीपा सिंह का नाम दर्ज होगा।
4	69/630 श्री मनोज जैन	भवन सं० 9के/5 महेवा पट्टी उपरहार बनाम श्री सचिन कुमार पाण्डेय	बैनामा	दर्ज नाम के स्थान पर श्री मनोज जैन वगैरह का नाम दर्ज होगा।
5	24/566 श्री कौशल कुमार	भवन सं० 110/62सी दक्षिणी लोकपुर बनाम श्रीमती सरला देवी	वसीयत	दर्ज नाम के स्थान पर श्री कौशल कुमार वगैरह का नाम विभाजन के अनुसार अंकित होगा।
6	44/630 श्री रामजी मिश्रा	भवन सं० 113/80ए/1 माधोपुर पट्टी खरकौनी बनाम श्रीमती अनुराधा मिश्रा	वसीयत	दर्ज नाम के स्थान पर श्री रामजी मिश्रा का नाम दर्ज होगा।
7	25/566 श्री राजेश कुमार गुप्ता	भवन सं० 717जी/3एक चक रघुनाथ बनाम श्री अनिल कुमार गुप्ता वगैरह	बैनामा	दर्ज नामों में श्री अनिल कुमार गुप्ता का नाम खारिज होगा। शेष यथावत रहेगा।
8	48/630 श्रीमती कामिनी सेठ	भवन सं० 99बी/11 लोकपुर बनाम श्रीमती एकता सेठ वगैरह	पंजीकृत दानपत्र	दर्ज नामों में एकता श्रीमती एकता सेठ का नाम खारिज होगा। शेष नाम यथावत रहेगा।
9	5/596 श्रीमती सितारा देवी	भवन सं० 99/24/9 कालीपुर बनाम श्री रामनेवाज पुत्र राम स्वरूप	वसीयत	दर्ज नाम के स्थान पर श्रीमती सितारा देवी वगैरह का नाम दर्ज होगा।
10	86/630 श्री ओमप्रकाश	भवन सं० 280/66सी/2बी पुरा फतेह मोहम्मद बनाम श्रीमती कला देवी	बैनामा	दर्ज नाम के स्थान पर श्री ओम प्रकाश वगैरह का नाम अंकित होगा।
11	56/630 श्रीमती जनकलली मौर्या	भवन सं० 46 बी/37 बी/1 महेवा पट्टी उपरहार बनाम श्रीनिवास वर्मा पुत्र श्रीचन्द्र वर्मा	बैनामा	दर्ज नाम के स्थान पर श्रीमती जनकलली मौर्या का नाम अंकित होगा।
12	58/630 श्रीमती रेखा देवी	भवन सं० 624/374ए चक रघुनाथ बनाम श्री राजीव केसरवानी वगैरह	बैनामा	दर्ज नामों में से श्रीमती सुधा केसरवानी, श्री आयुष केसरवानी का नाम खारिज होगा तथा इनके स्थान पर रेखा देवी का नाम विभाजन के द्वारा अंकित होगा
13	21/561 श्री अजय कुमार अग्रवाल	भवन सं० 363/191 चकरघुनाथ बनाम श्रीमती कमला देवी पत्नी श्री गजाधर लाल ।	वसीयत	दर्ज नामों के स्थान पर श्री अजय कुमार अग्रवाल का नाम दर्ज होगा।
14	71/630 श्री विवेक खरे	भवन सं० 176/53 चकरघुनाथ बनाम श्रीमती राजकुमारी वगैरह।	वसीयत	दर्ज नामों में से श्री देवेन्द्र कुमार खरे के स्थान पर श्री विवेक खरे व विशाल खरे पुत्रगण स्व० देवेन्द्र कुमार खरे का नाम अंकित होगा। शेष नाम यथावत रहेगा।
15	85/630 श्री शिवा केसरवानी	भवन सं० 9के/3डी चकदोंदी बनाम श्री मो० कैलाश वगैरह	बैनामा	दर्ज नाम के स्थान पर श्री शिवा केसरवानी पुत्र श्री मिश्रीलाल केसरवानी का नाम अंकित होगा।
16	60/630 श्री राजेश त्रिपाठी	भवन सं० 1बी माधोपुर पट्टी खरकौनी बनाम श्रीमती चतुरदेई वगैरह	वसीयत	दर्ज नामों में से श्रीमती चतुरदेई के स्थान पर श्री राजेश त्रिपाठी व श्री वासन त्रिपाठी पुत्रगण राम अनुग्रह त्रिपाठी का नाम अंकित होगा। शेष नाम यथावत रहेगा।
17	79/630 श्रीमती केसरी देवी	भवन सं० 278/23 न्यू/11बी नैनी गदरी न्यू मार्केट बनाम श्यामली गुप्ता	विक्रय पत्र	दर्ज नाम के स्थान पर श्रीमती केसरी देवी पत्नी श्री ओमप्रकाश केसरवानी का नाम दर्ज होगा।
18	63/567 श्री अब्दुल मजीद	भवन सं० 240/75 एक चकदोंदी बनाम श्रीमती आतिफा	वसीयत	दर्ज नाम के स्थान पर श्री अब्दुल मजीद वगैरह का नाम दर्ज होगा।
19	74/535 श्री राजेश कुमार पटेल	भवन सं० 154 कालीपुर बनाम श्रीमती सूरजकली	वसीयत	दर्ज नाम के स्थान पर श्री राजेश कुमार पटेल वगैरह का नाम विभाजन के अनुसार दर्ज होगा।
20	42/630 श्री राजेश कुमार विश्वकर्मा	भवन सं० 66ए/6ए पुरा फतेह मो० बनाम श्री योगेश कुमार	पंजीकृत वसीयत	दर्ज नाम के साथ–साथ श्री राजेश कुमार विश्वकर्मा का नाम दर्ज होगा।
21	24/654 श्री ज्ञान प्रकाश कश्यप	भवन सं० 1डी माधोपुर पट्टी खरकौनी बनाम श्री सुदर्शन लाल	वसीयत	दर्ज नाम के स्थान पर श्री ज्ञान प्रकाश कश्यप का नाम अंकित होगा।
22	33/654 श्री आशुतोष कुमार शर्मा	भवन सं० 444/239ए चकरघुनाथ बनाम श्री जनार्दन प्रसाद शर्मा वगैरह	वसीयत	दर्ज नामों में से श्री जनार्दन शर्मा के स्थान पर श्री आशुतोष कुमार शर्मा वगैरह का नाम अंकित होगा। शेष नाम यथावत रहेगा।
23	87/630 श्रीमती कलावती देवी	भवन सं० 517ई चकदोंदी बनाम श्रीमती कलावती वगैरह	पंजीकृत दानपत्र	दर्ज नामों में श्रीमती चन्दा देवी का नाम खारिज होगा। शेष नाम यथावत रहेगा।
24	25/654 श्री विधान गौतम	भवन सं० 46 डी/बी महेवा पट्टी उपरहार बनाम श्रीमती रेखा गौतम	पंजीकृत दानपत्र	दर्ज नाम के स्थान पर श्री विधान गौतम का नाम अंकित होगा।
25	13/654 श्रीमती उर्मिला राय	भवन सं० 136ए/1 महेवा पट्टी उपरहार बनाम श्री दिलीप कुमार सिंह	बैनामा	दर्ज नाम के स्थान पर श्रीमती उर्मिला राय का नाम अंकित होगा।
26	12/654 श्री मनीष कुमार जायसवाल	भवन सं० 419/793ए चकरघुनाथ बनाम श्रीमती माधुरी देवी, रजनीश जायसवाल व मनीष कुमार जायसवाल पत्नी व पुत्रगण स्व० नरेन्द्र कुमार जायसवाल	बैनामा	दर्ज नामों में श्रीमती माधुरी देवी व श्री रजनीश जायसवाल का नाम खारिज होगा। श्री मनीष कुमार जायसवाल का नाम शेष यथावत रहेगा।
27	53/630 श्रीमती लता श्रीवास्तव	भवन सं० 164/17ए चक करदही न्यू कालोनी बनाम डा० शेखर श्रीवास्तव पुत्र विष्णु सहाय श्रीवास्तव व लता श्रीवास्तव पत्नी शेखर श्रीवास्तव 4500/– दर्ज खसरा है।	वसीयत	दर्ज नाम में डा० शेखर श्रीवास्तव का नाम खारिज होगा शेष नाम यथावत रहेगा।
28	6/654 श्री राकेश कुमार वगैरह	भवन सं० 83/130 माधोपुर पट्टी खरकौनी बनाम श्री केदार नाथ पुत्र महादेव प्रसाद	वसीयत	दर्ज नाम खारिज होगा इनके स्थान पर श्री राकेश कुमार चौरसिया वगैरह का नाम दर्ज होगा।
29	10/597 श्री मो० जानू वगैरह	भवन सं० 16बी पुरा फतेह मोहम्मद बनाम श्री अफरोज पुत्र हबीब उल्ला	वसीयत	दर्ज नाम खारिज होगा इनके स्थान पर मो० जानू वगैरह का नाम दर्ज होगा।
30	49/654 श्रीमती इशरत आजम	भवन सं० 53डी/1ए पुरा फतेह मोहम्मद बनाम श्री शिशिर चन्द्र गुप्ता वगैरह।	बैनामा	दर्ज नाम के स्थान पर श्रीमती इशरत आजम वगैरह का नाम दर्ज होगा।
31	52/654 श्री राजीव कुमार केसरवानी	भवन सं०247ई चकरघुनाथ बनाम श्री रमेश कुमार केसरवानी वगैरह	बैनामा	दर्ज नामों में से वीरेन्द्र कुमार केसरवानी के स्थान पर राजीव कुमार केसरवानी का नाम दर्ज होगा। शेष नाम यथावत रहेगा।
32	36/654 तुबानुसरत	भवन सं० 422के/8 चकदोंदी बनाम श्री मो० शमीम पुत्र अब्दुल मजीद ।	बैनामा	दर्ज नाम के स्थान पर श्रीमती तुबानुसरत पत्नी श्री अनवर अजीज का नाम दर्ज होगा।
33	12/654 अमित कुमार पटेल	भवन सं० 90ए/1 कालीपुर बनाम श्रीमती कान्ती देवी पत्नी दिनेश कुमार	बैनामा	दर्ज नाम के स्थान पर श्री अमित कुमार पटेल पुत्र राजित राम पटेल का नाम दर्ज होगा।
34	66/642 श्री नासिर अली	भवन सं० 168ई/440 चकदोंदी बनाम श्री जुल्फिकार	बैनामा	दर्ज नाम के स्थान पर श्री नासिर अली पुत्र नवाब अली का नाम दर्ज होगा।
35	78/652 श्री पंकज कुमार	भवन सं० बी–304 (टी1–3एस) चकदोंदी बनाम श्रीमती शशी लता अस्थाना	वसीयत	दर्ज नाम के स्थान पर श्री पंकज श्रीवास्तव का नाम दर्ज होगा।
36	7/654 श्री मो० तसलीम	भवन सं० 86सी/111 इन्द्रलपुर बनाम श्री सफीक अहमद, रईस अहमद पुत्रगण अब्दुल रहमान	बैनामा	दर्ज नामों में से श्री अमन का नाम खारिज होगा। इनके स्थान पर श्री मो० तसलीम का नाम दर्ज होगा। शेष नाम यथावत रहेगा।

पत्रांक सं. डी-3680/प्र.सर्प.अधि./2026 दिनांक 30.01.2026

जोनल अधिकारी अधिकारी
जोन 05 नैनी
नगर निगम प्रयागराज ।

पुलिस मुठभेड़ में पैरों में गोली मारने पर हाईकोर्ट नाराज, कहा- सजा देना न्यायपालिका का काम

प्रयागराज। पुलिस मुठभेड़ के दौरान अपराधी के पैर में गोली मारने की आए दिन हो रही घटनाओं पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने नाराजगी जताई है। कोर्ट ने कहा कि किसी अपराधी को सजा देना न्याय पालिका का काम है। पुलिस का नहीं। घटन के दौरान किसी पुलिसकर्मी को चोट न लगना संदेह पैदा करता है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पुलिस मुठभेड़ों में अभियुक्तों के पैरों में गोली मारने की बढ़ती घटनाओं पर नाराजगी जताई है। कोर्ट ने कहा कि किसी भी आरोपी को सजा देने का अधिकार केवल न्यायपालिका के पास है, पुलिस के पास नहीं। कोर्ट ने इसे कानून के शासन और संवैधानिक मर्यादाओं के खिलाफ बताते हुए राज्य सरकार और पुलिस अधिकारियों को सख्त दिशा–निर्देश जारी किए हैं। यह आदेश न्यायमूर्ति अरुण कुमार सिंह देशवाल ने राजू उर्फ राजकुमार की जमानत अर्जी पर दिया है।

अदालत ने राजू को सशर्त जमानत दे दी है। कोर्ट ने दिशा–निर्देशों की अनदेखी पर अवमानना की कार्यवाही की चेतावनी भी दी है।मिर्जापुर निवासी राजू पर कोतवाली देहात थाने में विभिन्न आरोपों में प्राथमिकी दर्ज है। उसने जमानत के लिए हाईकोर्ट में अर्जी दायर की थी।

याची की अधिवक्ता कुसुम मिश्रा ने दलील दी कि याची को झूठे मामले में फंसाया गया। कथित पुलिस मुठभेड़ में सुप्रीम कोर्ट के दिशा निर्देशों का पालन नहीं किया गया।

कोर्ट ने इसे गंभीरता से लेते हुए अपर मुख्य सचिव (गृह) व डीजीपी को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये तलब कर जवाब मांगा था। शुक्रवार को दोनों अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये हाजिर हुए और भरोसा दिलाया कि मुठभेड़ मामले में सुप्रीम कोर्ट के दिशा निर्देशों का कड़ाई से पालन करने के लिए सर्कुलर जारी किए गए हैं। इनका पालन न करने पर कार्रवाई की जाएगी।

किसी पुलिसकर्मी को चोट नहीं आई, संदेह होता है...

कोर्ट कहा कि हाल के दिनों में छोटे–छोटे अपराधों, जैसे चोरी या लूट के मामलों में भी पुलिस की ओर से मुठभेड़ दिखाकर आरोपियों के पैरों में गोली मारने की घटनाएं सामने आ रही हैं। वर्तमान मामले में किसी भी पुलिसकर्मी को चोट नहीं आई है। इससे संदेह होता है।

मुठभेड़ में मौत या गंभीर चोट की स्थिति में तुरंत दर्ज हो एफआईआर

हाईकोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के 'पीयूसीएल बनाम महाराष्ट्र राज्य' के फैसले का हवाला देते हुए कहा कि मुठभेड़ में मौत या गंभीर चोट की स्थिति में तुरंत एफआईआर दर्ज की जाए और जांच स्वतंत्र एजेंसी, जैसे सीबीसीआईडी या किसी अन्य थाने की टीम से कराई जाए। घायल व्यक्ति का बयान मजिस्ट्रेट या मेडिकल अधिकारी के समक्ष दर्ज करना अनिवार्य होगा।

साथ ही मुठभेड़ के तुरंत बाद संबंधित पुलिसकर्मियों को किसी प्रकार का पुरस्कार या पदोन्नति नहीं दी जाएगी। इन दिशा–निर्देशों के उल्लंघन करने पर मुठभेड़ करने वाली टीम व संबंधित जिले के पुलिस प्रमुख (एसपी/एसएसपी/ कमिश्नर) भी सीधे तौर पर अदालत की अवमानना के जिम्मेदार होंगे। सुनवाई के दौरान अपर मुख्य सचिव (गृह) और डीजीपी ने कोर्ट को आश्वासन दिया कि इन निर्देशों का सख्ती से पालन कराया जाएगा।

कथावाचक प्रदीप मिश्रा ने कहा- भक्ति और मन से जुड़ाव ही शिव कृपा का मार्ग

प्रयागराज। माघ मेले में चल रही श्री शिव महापुराण की कथा में शुक्रवार को पं. प्रदीप मिश्रा ने कहा कि आडंबर नहीं बल्कि सच्ची भक्ति और मन से जुड़ाव ही शिव कृपा का मार्ग है। माघ मेले में चल रही श्री शिव महापुराण की कथा में शुक्रवार को पं. प्रदीप मिश्रा ने कहा कि आडंबर नहीं बल्कि सच्ची भक्ति और मन से जुड़ाव ही शिव कृपा का मार्ग है। भगवान भोलेनाथ से प्रार्थना करते हुए उन्होंने कहा कि जो श्रद्धालु जिस भाव से अपनी खाली झोली लेकर कथा सुनने आए हैं, उनकी झोलियां खुशियों से भरकर उन्हें घर भेजें। जब स्वयं विश्वनाथ अपने हो जाएं, तो संसार का कोई भी सुख मनुष्य से वंचित नहीं रहता। उन्होंने गंगा–यमुना–सरस्वती, अक्षयवट, नागवासुकि और महादेव का स्मरण करते हुए समस्त श्रद्धालुओं पर कृपा बनाए रखने की कामना की। पं. मिश्रा ने काशी और उज्जैन के उदाहरण देते हुए कहा कि आज के समय में कॉरिडोर की भव्यता में मन उलझ जाता है जबकि मन और चित्त का लगाव भगवान में होना चाहिए। रामचरितमानस में भगवान श्रीराम के जीवन से शिक्षा मिलती है जहां सोने से पहले गुरु, माता–पिता और महादेव का स्मरण किया जाता था। श्री संतोषाचार्य जी महाराज सतुआ बाबा के सानिध्य में माघ मेला क्षेत्र में पं प्रदीप मिश्रा की श्री शिव महापुराण की कथा का शुक्रवार को चौथा दिन संपन्न हुआ। पं प्रदीप मिश्रा ने कहा कि समाज में प्रेम लगातार बढ़ रहा है, तभी लोग कथा श्रवण के लिए उमड़ते चले आ रहे हैं। उन्होंने भगवान भोलेनाथ से प्रार्थना करते हुए कहा कि जो श्रद्धालु जिस भाव से अपनी खाली झोली लेकर कथा सुनने आए हैं, उनकी झोलियां खुशियों से भरकर उन्हें घर भेजें। कथा के दौरान गंगा–यमुना–सरस्वती, अक्षयवट, नागवासुकि और महादेव का स्मरण करते हुए उन्होंने समस्त श्रद्धालुओं पर कृपा बनाए रखने की कामना की। पं मिश्रा ने शिव भक्ति के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जब स्वयं विश्वनाथ अपने हो जाएं, तो संसार का कोई भी सुख मनुष्य से वंचित नहीं रहता। उन्होंने काशी और उज्जैन के उदाहरण देते हुए बताया कि आज के समय में कॉरिडोर की भव्यता में मन उलझ जाता है जबकि मन और चित्त का लगाव भगवान में होना चाहिए। उन्होंने यह भी याद कराया कि रामचरितमानस में भगवान श्रीराम के जीवन से शिक्षा मिलती है जहां सोने से पहले गुरु, माता–पिता और महादेव का स्मरण किया जाता था। इसका संदेश स्पष्ट था कि आडंबर नहीं बल्कि सच्ची भक्ति और मन से जुड़ाव ही शिव कृपा का मार्ग है। प्रदोषकाल में व्रती के पूजन से पूरी होती है मनोकामनाकथावाचक प्रदीप मिश्र ने शुक्रवार को प्रदोष व्रत का माहत्म्य बताया।

डंपर की टक्कर से मेडिकल स्टोर संचालक समेत दो युवकों की मौत

नैनी (प्रयागराज)। औद्योगिक थाना क्षेत्र के रामपुर पुलिस चौकी के पास डंपर की चपेट में आने से बाइक सवार मेडिकल स्टोर संचालक समेत दो युवकों की मौत हो गई। हादसे में घायल होने के बाद पुलिस ने दोनों को एसआरएन अस्पताल ले गई, जहां चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया।

औद्योगिक थाना क्षेत्र के रामपुर पुलिस चौकी के पास डंपर की चपेट में आने से बाइक सवार मेडिकल स्टोर संचालक समेत दो युवकों की मौत हो गई। हादसे में घायल होने के बाद पुलिस ने दोनों को एसआरएन अस्पताल ले गई, जहां चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है। पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है।

कौंधियारा थाना क्षेत्र के बड़गोहना खुर्द गांव निवासी दीपक पटेल (25) पुत्र ब्रह्मानंद पटेल और नौगवां सलैया गांव निवासी इंद्रपाल (35) पुत्र सूर्यजीत पाल शुक्रवार की रात 9रू30 बजे बाइक से प्रयागराज जा रहे थे। रामपुर पुलिस चौकी के पास स्थित हॉट मिक्स प्लांट के सामने तेज रफ्तार डंपर ने उन्हें टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए।

मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र करछना ले गई, जहां हालत गंभीर होने पर उन्हें स्वरूप रानी अस्पताल ले गई। यहां डॉक्टरों ने दोनों युवकों को मृत घोषित कर दिया। दीपक पटेल मेडिकल स्टोर चलाता था, जबकि इंद्रपाल एक प्राइवेट कंपनी में केस कलेक्शन का कार्य करता था। इंद्रपाल के दो बच्चे हैं, जबकि दीपक अविवाहित था। घटना के बाद दोनों के परिवारों में कोहराम मच गया है।

निपुण विद्यालय घोषित करने हेतु प्राथमिक विद्यालय छितपालगढ़ का हुआ आकलन

प्रतापगढ़! प्राथमिक विद्यालय छितपालगढ़ मान्धाता प्रतापगढ़ शासनादेश के अनुसार निपुण भारत मिशन के अन्तर्गत परियोजना/डायट द्वारा निपुण छमआकलन के लिए नियुक्त प्रिन्श यादव ने कक्षा एक मे नामांकित कुल संख्या 40 और कक्षा – 2 मे नामांकित 29 छात्रों मे से रैन्डमली बारह बारह छात्र कुल

24 छात्रों का आकलन किया गया आकलन कर्ता प्रिन्श यादव पूरी सुचिता और कर्तव्य निष्ठा के साथ आकलन किया। आकलन के दौरान सुचिता सुनिश्चित करने हेतु एस एस आर जी आशुतोष ने निरीक्षण किया तथा आकलन कर्ता की कर्तव्य निष्ठा और छात्रों के परफार्मेंस की सराहना की। आकलन के समय प्राथमिक विद्यालय छितपालगढ़ के प्रधानाध्यापक राजेश प्रताप सिंह. शिव बहादुर, राम प्रवेश,शालिक मिश्रा आभा त्रिपाठी आकृति पूजा सहित सभी स अ उपस्थित रहे। आज ही विकास क्षेत्र मान्धाता के प्रा वि छितपालगढ़. द्विवैनी. नूरपुर, विन्द वस्ती. जद्दूपुर सरागोविन्दराय आदि विद्यालयों का भी आकलन किया गया।

आरेडिका में हिंदी नाटक 'गब्बर बना बब्बर' का आयोजन'

रायबरेलीसआरेडिका, रायबरेली के राजभाषा विभाग द्वारा दिनांक 30.01.2026 को हिंदी मौलिक नाटक "गब्बर बना बब्बर", जिसका उद्देश्य सतर्कता एवं जागरूकता पर आधारित था, नाटक का भव्य एवं सफल आयोजन आरेडिका, रायबरेली के सरस्वती प्रेक्षागृह में किया गया। इस नाटक का उद्देश्य हिंदी भाषा, साहित्य एवं रंगमंच के प्रति रुचि को प्रोत्साहित करना तथा सांस्कृतिक चेतना को सुदृढ़ करना था। कार्यक्रम में प्रस्तुत हिंदी नाटक ने सामाजिक सरोकारों, मानवीय मूल्यों एवं समकालीन विषयों को प्रभावशाली ढंग से मंचित किया। कलाकारों की

सशक्त अभिनय क्षमता, संवाद अदायगी और मंच–सज्जा ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उपस्थित दर्शकों ने नाटक की सराहना करते हुए कलाकारों का उत्साहवर्धन किया।

इस नाटक का शुभारंभ आरेडिका के मुख्य राजभाषा अधिकारी, वरिष्ठ उप महाप्रबंधक, प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक, प्रधान मुख्य यांत्रिक अभियंता, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, प्रधान मुख्य चिकित्सा अधिकारी, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं राजभाषा अधिकारी एवं अन्य अधिकारीगण की गरिमामयी उपस्थिति में किया गया।

इस अवसर पर आरेडिका के उप मुख्य राजभाषा अधिकारी ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कहा कि हिंदी भाषा एवं रंगमंच के माध्यम से समाज में सकारात्मक संदेश पहुँचाना संस्था की प्राथमिकताओं में शामिल है। भविष्य में भी ऐसे साहित्यिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन निरंतर किया जाएगा।

तिनसुकिया गोलाघाट शाखा की जनवरी की काव्य गोष्ठी धूमधाम से संपन्न

तिनसुकिया गोलाघाट। शहर समता विचार मंच तिनसुकिया गोलाघाट शाखा की जनवरी 2026 की महिला काव्य गोष्ठी– शाखा अध्यक्षा आदरणीय रंजना बिनानी काव्या जी की अध्यक्षता में ऑनलाइन सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस काव्य गोष्ठी की मुख्य अतिथि अर्चना जायसवाल जी एवं विशिष्ट अतिथि राधा बिनानी जी रही। मां शारदे

की मूर्ति स्थापना, दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण रंजना बिनानी द्वारा किया गया। पश्चात मां सरस्वती की वंदना सीमा सिंधी जी ने प्रस्तुत की । तत्पश्चात सभी ने अपनी अपनी प्रस्तुतियां देकर मंच को सुसज्जित किया। प्रस्तुति देने वाली बहनों में मीना नागोरी,रंजना बिनानी काव्या, सीमा सिंधी,सरला बजाज, पूनम अग्रवाल भगवती बिहानी ने स्वैच्छिक विषय पर अपनी अपनी प्रस्तुतियां देकर मंच को सुसज्जित किया । प्रत्येक माह गोलाघाट शाखा द्वारा काव्य गोष्ठी का आयोजन किया जाता है। काव्य गोष्ठी का कुशल संचालन सरला बजाज जी द्वारा किया गया। धन्यवाद ज्ञापन शाखा अध्यक्षा रंजना बिनानी द्वारा दिया गया।

लोकतंत्र में सत्य का आईना है समाचार पत्रः गुरिंदर सिंह

सत्य दिखाने और आलोचना से मजबूत होता है लोकतंत्रः सोमदत्त
लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करते हैं पत्रकारः शोएब अहमद

अलीगढ़ सम्मेलन में दिखी राष्ट्रीय एकता की झलक

अलीगढ़। राजकीय औद्योगिक एवं कृषि प्रदर्शनी में बुधवार को आयोजित ऑल इंडिया स्मॉल एंड मीडियम न्यूज़ पेपर्स फेडरेशन (एआईएसएमएनएफ) के तत्वावधान में आयोजित "लोकतंत्र और पत्रकारिता" विषयक प्रांतीय सम्मेलन में जहां देश के 16 राज्यों से आए प्रतिनिधियों ने प्रतिभाग किया वहीं , राष्ट्रीय एकता पर गहन मंथन हुआ।

मुख्य अतिथि प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया के सदस्य और फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष स.गुरिंदर सिंह ने कहा कि आज समाचार पत्र लोकतंत्र में सत्य का आईना बने हुए हैं। जिसकी वजह से तीनों स्तंभों के प्रति समाचार पत्र और पत्रकारों की जवाबदेही और बढ़ जाती है। उन्होंने अलीगढ़ महोत्सव में आयोजित सम्मेलन को प्रेरणाप्रद बताया।

विशिष्ट अतिथि पीसीआई के अन्य सदस्य सुधीर कुमार पांडा ने कहा कि आज सोशल मीडिया के इस दौर में एआई की वजह से और विरोधाभास पैदा हो गया है। पत्रकार जगत को राष्ट्र हित में इस ओर खास ध्यान देना चाहिए।जिससे लोकतंत्र की महत्ता कहीं कम न हो।

सम्मेलन के मुख्य संयोजक डॉ पंकज धीरज ने लोकतंत्र की मजबूती के लिए स्वतंत्र और निर्भीक पत्रकारिता को वर्तमान समय की आवश्यकता बताया। सभी अतिथियों का स्वागत किया। वहीं, सफल संचालन राज नारायण सिंह ने किया। अलीगढ़ में प्रथम बार आयोजित राष्ट्रीय स्तर के इस सम्मेलन में 16 प्रदेशों से आए 64 प्रतिनिधियों ने विशिष्ट सहभागिता निभाई।

लोकतंत्र में पत्रकारिता को सत्य का आईना बताते हुए जयपुर से आए पीसीआई के पूर्व सदस्य डॉ एल सी भारतीय ने सरकारी अंकुश को अव्यवहारिक भी बताया।कहा कि पत्रकारों के सत्य को पराजित नहीं किया जा सकता।

सम्मेलन में जहां चारों धर्मों के प्रबुद्धजनों ने अपने अपने

विचार रखे वहीं , विशिष्ट पत्रकारों को लोकतंत्र प्रहरी और लोकतंत्र सेवक सम्मान भी प्रदान किए गए।

दिल्ली सरकार में विधायक सोमदत्त ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती स्वतंत्र, निष्पक्ष और निर्भीक पत्रकारिता से ही संभव है। सरकार के गलत कार्यों की आलोचना और सत्य को दिखाना लोकतंत्र की मजबूती का पर्याय होता है।

फेडरेशन के उप्र अध्यक्ष शोएब अहमद ने कहा कि पत्रकार समाज और शासन के बीच सेतु का कार्य करते हैं साथ ही जनसरोकार के मुद्दों को प्रमुखता से उठाकर लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करते हैं।

सम्मेलन में अलीगढ़ के क्रांतिकारी पत्रकार महेश चंद्र सुह्रद, मुकुट बिहारी लाल नवरत्न और मदनलाल हितैषी सम्मान शुरू किए जाने की शुरुआत हुई। सम्मेलन में अतिथियों का सम्मान मंडल महासचिव योगेश भारद्वाज, जिला अध्यक्ष जितेंद्र वार्ष्णेय, महासचिव मुकेश कुमार सिंह और वरिष्ठ उपाध्यक्ष संजीव शर्मा ने किया। सम्मेलन में प्रस्तुत देश भक्ति की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों को खूब सराहना मिली। व्यापक सहभागिता वाले इस सम्मेलन में 16 प्रदेशों से आए प्रतिनिधियों सहित करीब 500 से अधिक पत्रकार, समाजसेवी, जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी तथा पत्रकारिता एवं जनसंचार के विद्यार्थी शामिल हुए।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में डॉ. पंकज धीरज के नेतृत्व में फेडरेशन की टीम सक्रिय रही। सहित अन्य पदाधिकारियों का विशेष सहयोग रहा।

राष्ट्रीय अध्यक्ष स. गुरिंदर सिंह, राष्ट्रीय महासचिव अशोक कुमार नवरत्न और प्रांतीय अध्यक्ष सुहेब अहमद के मार्गदर्शन में विभिन्न प्रदेशों से आए प्रतिनिधियों देवेंद्र सिंह तोमर,अनिल कुमार सिंह,मुकेश गोयल,तरुण साहू,जमील अंसारी, अनिल वार्ष्णेय,अर्जुन द्विवेदी,पंकज शर्मा,परमीन जहां,सौरभ वार्ष्णेय,सरदार अहमद,विजय शंकर शुक्ला, एस के भारद्वाज,इमरान कलीम, आसिफ जाफरी,ललित सुमन, आशीष सक्सेना,बीएम शर्मा, डॉ पवन सहयोगी,एजाज अहमद, राजकुमार छाबड़ा, संजय गोविल, अरुण जायसवाल, कुमोज्जू रमेश, एनबीएसबी प्रसाद, संजय नवरत्न,मनोज चौधरी, गगन सेनी, डॉ के वेंकट वे, शुभम गुप्ता, जिनेन्द्र जैन आदि को लोकतंत्र में समाचार पत्रों और लेखों के माध्यम से महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए लोकतंत्र प्रहरी और लोकतंत्र सेवा सम्मान से सम्मानित किया गया।

यूपी के जनपद अलीगढ़ में अलीगढ़ मंडल अध्यक्ष डॉ पंकज धीरज के संयोजन में आयोजित इस राष्ट्र स्तरीय सम्मेलन को खूब प्रशंसा मिल रही है।

चित्रकूट, गाहुर के डॉ. मूलचन्द्र शुक्ल हुए डी. लिट् की मानद उपाधि से सम्मानित

चित्रकूट। पीएनजी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय रामनगर के संस्कृत विभाग प्रभारी डॉ. मूलचन्द्र शुक्ल को डी. लिट् (विद्या वाचस्पति) की मानद उपाधि सम्मान से नवाजा गया है। वाराणसी के मालवीय सभागार में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अन्तर्राष्ट्रीय प्रख्यात कवि डॉ. हरेन्द्र हर्ष,अध्यक्षता डॉ. ओमप्रकाश द्विवेदी ओम, संरक्षक अध्यक्ष सेन्ट्रल बार एसो. वाराणसी एवं काशी सेवा समिति साहित्य भूषण डॉ.राम अवतार पाण्डेय,विशिष्ट अतिथि डॉ. चन्द्रभाल सुकुमार, कर्नल डॉ. आदि शंकर मिश्र, श्रीप्रकाश श्रीवास्तव गणेश एवं कुलसचिव काशी हिन्दी विद्यापीठ इन्द्रजीत तिवारी सहित अनेक शिक्षाविदों, अधिकारियों के करकमलों से मानद उपाधि सम्मान प्राप्त की। बता दें कि काशी हिन्दी विद्यापीठ वाराणसी द्वारा विशेष मानद सम्मान समारोह के अवसर पर डी. लिट् अर्थात् विद्यावाचस्पति पुरस्कार 2026 के लिए चयन की घोषणा कर मानद उपाधि प्रदान की गयी। यह पुरस्कार डॉ. शुक्ल को 25 जनवरी को उनके उच्च शिक्षा में संस्कृत के क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवा एवं कार्य हेतु

उल्लेखनीय योगदान देने के लिए प्रदान किया गया है। डॉ. मूलचन्द्र शुक्ल महाविद्यालय में संस्कृत विभाग के वरिष्ठ असि. प्रोफेसर संस्कृत विषय पर कार्यरत हैं एवं संस्कृत सहित संयोजक योग आदि अनेक क्षेत्रों का दायित्व निर्वहन कर रहे हैं।उनको लगभग बारह वर्षों से संस्कृत के क्षेत्र में अध्यापन एवं सेवा के कार्यों का अनुभव है। इससे पूर्व भी डॉ. मूलचन्द्र शुक्ल को उच्च शिक्षा संस्कृत वाङ्गमय के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के उपलक्ष्य पर दो राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है। डॉ. मूलचन्द्र शुक्ल चित्रकूट स्थित मऊ क्षेत्र के ग्राम गाहुर निवासी हैं। इन्होंने उच्च शिक्षा स्नातक एवं स्नातकोत्तर काशी हिन्दू विश्वविद्यालय से और पीएच.डी. केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय दिल्ली से किया है। डॉ. शुक्ल की इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर प्राचार्य प्रो.एम.सी. पाण्डे,चीफ प्रॉक्टर प्रो.एस.एस. मौर्या, प्रख्यात संस्कृत महाकवि डॉ.अरविन्द तिवारी, संस्कृतप्रचारक डॉ. चन्द्रकान्तदत्त शुक्ल, डा. अभिषेक पाण्डेय,डॉ. दीपक खाती,डॉ डी. एन.जोशी सहित समस्त प्राध्यापकों एवं शिक्षणेतर कार्मिकों और माता पिता, अग्रज, अनुज, भार्या सीता शुक्ला एवं ग्राम वासियों ने बधाई तथा शुभकामना सन्देश प्रेषित की हैं।इस अवसर पर अनेक गणमान्य अतिथियों एवं प्रतिभागी जनों के साथ भारतीय विधिक शिक्षा आन्दोलन के राष्ट्रीय संयोजक समर बहादुर सरोज,विख्यात गीतकार एवं भजन गायक राजकुमार आशीर्वाद,सन्मार्ग हिन्दी सान्ध्य दैनिक पत्रकार विजय कुमार गुप्ता, विंध्याचल से स्वामी ब्रह्माण्ड भैरव शरण,डॉ चन्द्रकांत मिश्र एवं विजय नारायण तिवारी आदि उपस्थित रहे।'

फॉर्म भरवा कर मतदाता सूची में शामिल कराएं नए मतदाताओं का नामः नन्दी

प्रयागराज शहर दक्षिणी विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न बूथ क्षेत्रों में किया भ्रमण

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने शुक्रवार को प्रयागराज शहर दक्षिणी विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न बूथ क्षेत्रों में बूथ समितियों के साथ बैठक कर भारत निर्वाचन आयोग के आदेश पर मतदाता सूची में नए मतदाताओं का नाम जोड़े जाने एवं त्रुटि सुधार के लिए किए जा रहे प्रयासों की समीक्षा की। इस दौरान मंत्री नन्दी ने बूथ अध्यक्षों के साथ ही लोगों से मुलाकात की। मंत्री नन्दी ने कहा कि एक जनवरी को 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके नवयुवकों यानि नए मतदाताओं एवं छूटे हुए पात्र मतदाताओं से फॉर्म–6 भरवाए जा रहे हैं। इसके अलावा मृतक एवं अनधिकृत मतदाताओं के नाम सूची से हटाने के लिए फॉर्म–7 तथा नाम, पिता–पति का नाम, आयु आदि में संशोधन के लिए फॉर्म–8 भरवाया जा रहा है। कार्यकर्ताओं एवं बूथ समितियों से अपील करते हुए कहा कि पात्र पागरिकों का नाम मतदाता सूची में जुड़वाने में मदद करें। जिनके पास दस्तावेज नहीं है, उनकी मदद कर तत्काल बनवाकर बीएलओ को दें ताकि पात्र व्यक्ति मतदान के अधिकार से वंचित न रहने पाए। बीएलओ से भी कहा कि एक भी पात्र मतदाता छूटने न पाए और सभी के नाम क्रमबद्ध सूची में शामिल हो जाएं। मंत्री नन्दी ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के नियम के अनुसार फॉर्म 6 भरते समय जन्मतिथि एवं आवासीय पते के साक्ष्य के रूप में आधार कार्ड मान्य है। जन्मतिथि के साक्ष्य के रूप में

आधार कार्ड के अलावा भी पाँच अन्य विकल्प उपलब्ध है। जिनमें से भी कोई एक दस्तावेज साक्ष्य के रूप में मान्य होगा। इसी प्रकार आवासीय पते के साक्ष्य के रूप में आधार कार्ड के अलावा छह अन्य विकल्प उपलब्ध है। जिनमें से भी कोई एक दस्तावेजी साक्ष्य के रूप में मान्य होगा। इन सारे दस्तावेजी विकल्पों की लिस्ट फार्म 6 में ही दी गई है। दस्तावेजी साक्ष्य देने पर आवेदक का नाम मतदाता सूची में जोड़ दिया जाएगा। बहादुरगंज में बूथ अध्यक्ष 234 श्रीमती रचना श्रीवास्तव, बतासा मंडी में बूथ अध्यक्ष 281 सुनील दुबे, जीरो रोड में बूथ अध्यक्ष 282 संजय गोयल, बादशाही मंडी में कोषाध्यक्ष चौक मंडल रत्नेश यादव, बूथ अध्यक्ष 277 शाश्वत मिश्रा, बूथ अध्यक्ष 280 गोविंद स्वर्णकार बूथ अध्यक्ष 279 प्रहलाद जायसवाल, जीरो रोड में रतन केसरवानी, गंगादास चौक में महामंत्री किशोर चौरसिया के आवास पर बूथ समितियों के साथ बैठक कर नए मतदाताओं का नाम जोड़वाने के लिए किए जा रहे प्रयासों की समीक्षा की।

त्रिवेणी जिसको कहते

(छप्पय)

पावन भूमि प्रयाग त्रिवेणी जिसको कहते।
उसके तट पर माघ, माघ भर आकर रहते।
दिनभर हरि का जाप तपस्वी बनकर करते।
सूर्योदय के साथ नहाया गंगा करते।
रहते हैं हरदम सजग माया से होकर विलग।
दुनिया इसकी है अलग बातें भी सबसे सुभग।।

गंगा का है तीर जहाँ नव नगरी बसती।
कहते जिसे प्रयाग भीड़ भक्तों की जुटती।
पक्षी करें विहार धर्म की बातें होती।
निर्मलता के साथ बने जो पावन मोती
गंगा का अद्भुत यहाँ, मोक्षदायिनी रूप है।
वासन्तिक रस में घुली माघ माह की धूप है।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

अद्भुत कथा संग्रह प्रवासी कथामृत का लोकार्पण प्रतिष्ठित विश्व पुस्तक मेले 2026 में किया गया

–डॉ विमला व्यास द्वारा संम्पादित एवं रवीन्द्र कुशवाहा द्वारा चित्रित प्रवासी कथामृत विश्व पुस्तक मेले का बनी आकर्षण

प्रयागराज। सुविख्यात लेखिका, शिक्षाविद एवं वैज्ञानिक डॉ विमला व्यास द्वारा संकलित और सम्पादित 'प्रवासी कथामृत' प्रवास, पहचान और सॉस्कृतिक एकीकरण की अद्भुत कहानियों का अन्वेषण करती हुई नजर आती है,जो पाठकों को, संपूर्ण विश्व में निवास कर रहे भारतीयों के जीवन की एक अंतरंग झलक प्रदान करती है। इस संकलन में विभिन्न पीढ़ियों और क्षेत्रों की आवाज़ें समाहित हैं, जो बेहतर जिंदगी की तलाश में, अपने घर

से दूर पराये देश में जीवन यापन कर रहे हैं। ये कहानियाँ,प्रवासी भारतीयों की चुनौतियों और सफलताओं दोनों को उजागर करती हैं। श्प्रवासी कथामृतश का कवर पेज और अन्य स्केच प्रयागराज के जाने माने अंतरराष्ट्रीय कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा द्वारा बनाए गए हैं जो इस ग्रंथ को नया आयाम देते हैं एवं प्रकाशन सर्व भाषा ट्रस्ट नई दिल्ली द्वारा किया गया है। बहुप्रतीक्षित कथा संग्रह प्रवासी कथामृत जो भारतीय प्रवासी समुदाय के विविध जीवन अनुभवों को दर्शाने वाली कहानियों का एक जीवंत संग्रह है, नई दिल्ली में आयोजित विश्व पुस्तक मेले में आधिकारिक तौर पर लॉन्च की गई। लोकार्पण समारोह के मुख्य अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार ओम निश्चल एवं विशिष्ट अतिथि के तौर पर शशि सहगल और राव शिवराज प्रताप सिंह शामिल हुए! कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार डॉ प्रताप सहगल ने की। इनके अलावा अन्य सुविख्यात लेखकों, संपादकों, प्रकाशकों के साथ–साथ जिज्ञासु पाठकों की गरिमामय उपस्थिति ने कार्यक्रम को चार चाँद लगा दिए, ये सुअवसर समकालीन भारतीय साहित्य में एक महत्वपूर्ण लम्हा बनकर दर्ज हो गया। मुख्य अतिथि ओम निश्चल ने अपने वक्तव्य में प्रवासी अनुभवों के प्रामाणिक चित्रण के लिए संकलन की सराहना करते हुए कहा प्रवासी कथामृत विश्व के विभिन्न देशों में लंबे समय से निवास कर रहे भारतीयों के लचीलेपन, उनके संघर्ष और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रमाणिक दस्तावेज है।

श्री अमित सुदर्शन ने उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी का कार्यभार ग्रहण किया

प्रयागराज। श्री अमित सुदर्शन ने उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी का कार्यभार ग्रहण किया। इन्होंने निवर्तमान मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श्री शशि किरण से पदभार ग्रहण किया। श्री अमित सुदर्शन, भारतीय रेलवे यातायात सेवा के 2015 बैच के अधिकारी है। इससे पूर्व श्री अमित सुदर्शन उत्तर पश्चिम रेलवे मुख्यालय में ही उप मुख्य वाणिज्य प्रबन्धक (यात्री सेवाएं एवं यात्री विपणन) के पद पर कार्यरत थे।

श्री अमित सुदर्शन ने आईआईटी रूडकी से मेकेनिकल इंजीनियरिंग में स्नातक शिक्षा प्राप्त की है तथा आईआईएम, कोलकाता से पीजीडीबीए किया है।

श्री अमित सुदर्शन को रेलवे के वाणिज्य तथा परिचालन के क्षेत्र में विशिष्ट अनुभव प्राप्त है। इन्होंने सहायक वाणिज्य प्रबन्धक–झांसी, मण्डल परिचालन प्रबन्धक–आगरा, मण्डल परिवहन प्रबन्धक एवं उप मुख्य परिवहन प्रबन्धक–टूंडला के पदों पर कार्य किया है।

श्री अमित सुदर्शन ने उप मुख्य परिवहन प्रबन्धक–टूंडला के पद पर रहते हुए महाकुंभ के आयोजन के अवसर पर स्पेशल ट्रेनों के संचालन में महत्वपूर्ण योगदान दिया। साथ ही आगरा एवं टूंडला में अपने पद पर रहते हुए इन्होने डीएफसीसी पर ट्रेनों के परिचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

सम्पादकीय.....

अति आशावाद से बचें

देश में आम बजट से पहले सामने आने वाले आर्थिक सर्वेक्षण 2025–26 में वैश्विक चुनौतियों का सामना करने के लिए भारतीय अर्थव्यवस्था को लचीला व गतिशील बनाने पर बल दिया गया है। यह सर्वेक्षण उन चुनौतियों की ओर भी इशारा करता है, जिनके लिए सावधानीपूर्वक नीतिगत निर्णय लेने की आवश्यकता है। दुनिया में सबसे तेज गति से बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में चालू वित्तीय वर्ष में भारत के सकल घरेलू उत्पाद दर यानी जीडीपी के 7.4 रहने का भरोसा जताया गया है। वहीं आर्थिक सर्वेक्षण वित्तीय वर्ष 2026–27 में विकास वृद्धि दर के 6.8 से 7.2 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया है। इस अनुमान में सीमापरक तनाव, व्यापार में व्यवधान और वैश्विक बाजारों में अस्थिरता को भी ध्यान में रखा गया है। निश्चित रूप से यह सावधानीपूर्वक दर्शाया गया आशावादी दृष्टिकोण घरेलू मांग, उपभोग और निवेश की मजबूती को ही दर्शाता है। इसके बावजूद कि तमाम बाहरी जोखिम विद्यमान हैं, मसलन टैरिफ को लेकर आपूर्ति शृंखला में तनाव व देश की अपेक्षाओं का संतुलन बनाना शामिल है। यह सार्थक है कि सर्वेक्षण यथार्थवाद को नजरअंदाज नहीं करता है, जो यह भी दर्शाता है कि वैश्विक आर्थिक व्यवस्था पूंजी प्रवाह व मुद्रा की ताकत से ही सफलता सुनिश्चित नहीं होती। यह भी हकीकत है कि एआई जैसी नई तकनीकों से होने वाले लाभ असमानता को ही बढ़ावा देते हैं। लेकिन इसके लिये भी सहायक मानव संसाधन और विनियामक ढांचे की जरूरत होती है। खासकर भारत जैसे देश में जहां श्रम शक्ति का बाहुल्य है। ऐसे में जरूरत इस बात की है कि हम दुनिया में सबसे बड़ी युवा आबादी वाले देश होने का लाभ उठाएं। इसके लिये कौशल विकास को प्राथमिकता देने की सख्त जरूरत है, जिससे हम गुणवत्तापूर्ण स्वदेशी उत्पादों के जरिये विश्व में आर्थिक स्पर्धा का मुकाबला कर सकें। ये कदम हमारे निर्यात बढ़ाने में भी सहायक हो सकते हैं। कालांतर में ये हमारे व्यापार घाटे को कम करने में भी मददगार साबित हो सकता है। इसमें दो राय नहीं है कि हालिया आर्थिक सर्वेक्षण के जरिये एक महत्वाकांक्षी रोड मैप बनाने का प्रयास किया गया है, जिसके अंतर्गत स्वदेशी अभियान को तरजीह देने से लेकर रणनीतिक लचीलेपन और रणनीतिक अनिवार्यता भारत की आर्थिक क्षमता की परीक्षा लेने वाला साबित हो सकता है। लेकिन इसके लिये जरूरी है कि भारत में उत्पादित वस्तुओं की साख को अंतर्राष्ट्रीय आकांक्षाओं के अनुरूप बनाया जाए। निस्संदेह, विश्व में भारतीय उत्पाद 'खरीदने के बारे में सोचने' से स्थिति को 'बिना सोचे भारतीय उत्पाद खरीदने' वाली सोच विकसित करना एक बड़ी चुनौती होगी। इस स्थिति के लिये हमें विनिर्माण क्षेत्र को सुदृढ़ करने के लिए प्रतिबद्धता की सख्त जरूरत होगी। निस्संदेह, हाल ही में यूरोपीय संघ के साथ संपन्न हुए ऐतिहासिक समझौते को लेकर अर्थव्यवस्था में खासा उत्साह देखा जा रहा है, जिसके अर्थव्यवस्था में दीर्घकालिक सकारात्मक प्रभाव की उम्मीद की जा रही है। वहीं दूसरी ओर लंबे समय से लटके हुए भारत–अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर अनिश्चितता लगातार बनी हुई है। सर्वेक्षण में इस बाबत कहा गया है कि इस वित्तीय वर्ष में इस एफटीए के सिरे चढ़ने की उम्मीद है। लेकिन यहां एक महत्वपूर्ण सवाल यह भी है कि तेज गति से बढ़ती अर्थव्यवस्था का लाभ आम आदमी को कितना मिलता है। सवाल यह भी है कि दुनिया में सबसे तेज गति से बढ़ती अर्थव्यवस्था का लाभ आम आदमी के जीवन को बदलने में कितना मददगार होगा। एआई और तकनीक क्रांति के दौर में भारतीय विपुल श्रम शक्ति का बेहतर उपयोग कैसे हो सकता है। भारत दुनिया में सबसे युवा श्रम शक्ति वाला देश है तो क्या हम उनकी योग्यता व क्षमता के अनुरूप रोजगार देने में सक्षम होंगे, ताकि वे विकसित भारत के संकल्प में अपना योगदान दे सकें। जरूरत इस बात की है कि देश में बेरोजगारी की दर कम हो और युवाओं के विदेश पलायन की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने के लिये पहल की जाए। वहीं दूसरी ओर फिसलन वाली जमीन पर चलते हुए सर्वेक्षण में दो दशक पुराने सूचना के अधिकार अधिनियम के प्रावधानों में बदलाव की मंशा जतायी गई है। निस्संदेह, ऐसे किसी बदलाव का आधार तार्किक होना चाहिए।

मोदी– दोनों हाथों में लड्डू

एजेन्सी

> *और ऐसा ही हुआ भी। यूजीसी द्वारा जारी नए नियमों पर देश भर में सवाल और बवाल दोनों खड़े हुए और उसके बाद सीधे सुप्रीम कोर्ट में इसे रोकने के लिए याचिकाएं दायर हुईं, जिन पर गुरुवार 29 जनवरी को महत्वपूर्ण सुनवाई भी हो गई।*

जैसा कि अनुमान लगाया जा रहा था कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) उच्च शिक्षण संस्थानों में जातिगत भेदभाव को रोकने के लिए चाहे जितने कठोर नियम बना ले, उन्हें लागू करना आसान नहीं होगा। और ऐसा ही हुआ भी। यूजीसी द्वारा जारी नए नियमों पर देश भर में सवाल और बवाल दोनों खड़े हुए और उसके बाद सीधे सुप्रीम कोर्ट में इसे रोकने के लिए याचिकाएं दायर हुईं, जिन पर गुरुवार 29 जनवरी को महत्वपूर्ण सुनवाई भी हो गई। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने यूजीसी के नए नियमों पर अस्थायी रोक लगा दी है।सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी की कि पहले दृष्टिकोण से यह प्रतीत होता है कि इन नियमों की भाषा में स्पष्टता की कमी है, जिससे उनका गलत उपयोग हो सकता है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने चेतावनी दी कि ऐसे नियम समाज को विभाजित कर सकते हैं और परिसरों में अमेरिका की तरह नस्लीय विभाजन जैसी स्थिति पैदा कर सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इन नियमों की जांच की आवश्यकता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उनका दुरुपयोग न हो। कोर्ट ने केंद्र सरकार से इन नियमों की समीक्षा करने को कहा और तब तक उनके लागू होने पर रोक जारी रखने का आदेश दिया। इसके अलावा, सुप्रीम कोर्ट ने सॉलिसिटर जनरल से कहा कि वे एक विशेषज्ञ कमेटी गठित करें। जिसमें कुछ प्रतिष्ठित व्यक्तियों को शामिल करने पर विचार किया जाए, ताकि समाज में बिना भेदभाव के समग्र विकास हो सके।गौरतलब है कि यूजीसी नियमावली, 2026 को 13 जनवरी 2026 को अधिसूचित किया गया था। ये नियम अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) छात्रों के खिलाफ भेदभाव, उत्पीड़न और आत्महत्या जैसी घटनाओं को रोकने के उद्देश्य से लाए गए हैं। यह 2012 के पुराने नियमों की जगह लाए गए हैं। इन नियमों के तहत सभी उच्च शिक्षा संस्थानों में समता समितियां (इक्विटी कमेटी) गठित करना अनिवार्य किया गया है। इस कमेटी का काम जातिगत भेदभाव की शिकायतों की जांच करना है। लेकिन एससी, एसटी और ओबीसी के हक की बात उठते ही समाज में बवाल खड़ा हो गया।भारत में जाति व्यवस्था इतनी गहरी पैठी हुई है कि जाति के नाम पर उत्पीड़न सामान्य व्यवहार के तौर पर अपना लिया गया है। एक इंसान दूसरे इंसान को केवल जाति के आधार पर अपमानित, शोषित या प्रताड़ित करे, यह चलन सदियों से चला आ रहा है और इसे दूर करने की जितनी कोशिशें की गईं, उतने ज्यादा अड़ंगे सवर्ण समाज की तरफ से लगाए गए। चाहे मंडल कमीशन की सिफारिशें हों या अभी यूजीसी के नए नियम, उन पर समाज का एक तबका ऐसे विरोध में उतरा मानो अपने से निचली जातियों का उत्पीड़न उसका जन्मसिद्ध अधिकार है। इसलिए सुप्रीम कोर्ट में सवर्ण वर्ग की ओर से दायर याचिकाओं में इन नियमों को असंवैधानिक बताया गया है। इसे जाति आधारित भेदभाव करार दिया। याचिकाकर्ताओं में से एक वकील विष्णु शंकर जैन ने कहा कि यह भेदभाव संविधान के अनुच्छेद 14 और 19 के खिलाफ है और इससे शिक्षा क्षेत्र में, समाज में और अधिक खाई पैदा हो सकती है। कितने कमाल की बात है कि शिक्षा क्षेत्र या समाज में जातिगत भेदभाव इन लोगों को तब दिखाई नहीं देता, जब किसी दलित बच्चों को मध्याह्न भोजन में अलग पंक्ति में बिठाने की खबरें आती हैं, या किसी छात्र को उसकी निचली जाति के कारण शारीरिक या मानसिक तौर पर प्रताड़ित किया जाता है। रोहित वेमुला या पायल तड़वी जैसे लोगों को अगर आत्महत्या करने पर मजबूर किया गया, तो उसके पीछे यही सदियों से चला आ रहा जातिगत भेदभाव ही है।बहरहाल, अब शीर्ष अदालत इस मामले पर अगली सुनवाई 19 मार्च को करेगी। तब तक मोदी सरकार जाति या किसी और कारण से समाज को बांटने के नए तरीके सोच ही लेगी। वैसे तो शिक्षा मंत्रालय और यूजीसी ने बचाव में कहा कि नए नियम किसी समुदाय को निशाना नहीं बनाते हैं और समितियां निष्पक्ष होंगी, जिसमें विविध प्रतिनिधित्व होगा। लेकिन सरकार इस बात को अच्छे से जानती थी कि कमजोर तबके के लोगों को सुरक्षा देने या उन्हें आगे बढ़ाने के लिए जो भी फैसले लिए जाएंगे, उस पर समाज के सवर्ण तबके से तीखी प्रतिक्रिया आएगी ही और इस मामले पर राजनीति भी खूब होगी। और ऐसा ही हुआ भी। यूजीसी के नियम केवल कानूनी मसला नहीं है, बल्कि इसके सामाजिक और राजनैतिक पहलू भी हैं। जिनमें चुनावी हित नाप–तौल के ही मोदी सरकार आगे बढ़ी है।

पूरे देश में यूजीसी के नए नियमों पर केवल विरोध ही नहीं हुआ, बल्कि नरेन्द्र मोदी–अमित शाह के पोस्टरों पर प्रदर्शनकारियों ने अपना गुस्सा जाहिर किया। उनके खिलाफ कब्र खुदेगी जैसे नारे लगाए गए। मजे की बात ये है कि इन नारों को लगाने वाले सवर्ण छात्रों को किसी ने देशद्रोही नहीं कहा। जबकि जेएनयू में ऐसे ही नारे लगे थे तो छात्रों को फौरन देशविरोधी करार दिया गया था। जाति पर किस तरह का भेदभाव समाज में किया जाता है, ये उसी का एक उदाहरण है। बहरहाल, यूजीसी के नए नियमों को अभी लाना और फिर लागू होने पर रोक लगाना, सब चुनावी राजनीति की तरफ इशारा करते हैं। बिहार चुनाव में तो एसआईआर के कारण भाजपा को काफी मदद मिल गई। लेकिन तमिलनाडु, प.बंगाल, असम, केरल और पुडुचेरी में भाजपा को तरकश में कुछ और तीर बढ़ाने थे। कांग्रेस जातिगत जनगणना और आरक्षण के मुद्दे पर भाजपा से आगे निकली हुई थी, अगले साल उत्तरप्रदेश में चुनाव हैं और वहां समाजवादी पार्टी भी पीडीए को आगे बढ़ाए हुई है। ऐसे में भाजपा को इनकी काट निकालनी थी, सो यूजीसी के नए नियमों से उसमें मदद मिल गई। अब एससी, एसटी और ओबीसी के लोग इस बात की उम्मीद मोदी सरकार से बांध लेंगे कि सामाजिक न्याय भी मोदी के रहते ही मुमकिन होगा और वहीं सवर्ण तबका चाहे भाजपा से जितनी नाराजगी दिखाए, वोट देने के वक्त उसे मोदी की ब्राह्मणवाद को बढ़ावा देने वाली राजनीति ही याद आएगी। संसद में पुरोहितों की मौजदूगी में सेंगोल रखने से लेकर राम मंदिर का उद्घाटन और सोमनाथ मंदिर का समारोह मनाने तक हर जगह नरेन्द्र मोदी ने ब्राह्मणवाद को मजबूत किया है। अब थोड़ा सा दलितों–पिछड़ों को पुचकारा जा रहा है। ताकि दोनों हाथों में लड्डू रहें। इसके बाद क्या सत्ता की मिठास भाजपा को मिलेगी, ये पांच राज्यों के नतीजे बताएंगे।

दादा गए, क्या फडनवीस को फायदा होगा!

विजय विद्रोही

अजित पवार की विमान हादसे में दर्दनाक मौत से उनका पूरा परिवार गहरे सदमे में है। उनकी एन.सी.पी. पार्टी के नेता, विधायक, कार्यकर्त्ता तिराहे पर हैं। दादा के जाने से देवेन्द्र (फडनवीस) पशोपेश में हैं। एकनाथ शिंदे सही वक्त के इंतजार में हैं। महाराष्ट्र की राजनीति कोई नई करवट लेने को बेचैन दिखाई दे रही है। ममता बनर्जी भले ही साजिश देख रही हों लेकिन महाराष्ट्र के नेता सियासत में चरमराहट सुन रहे हैं। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडनवीस और एकनाथ शिंदे की आपसी सियासी लड़ाई में दादा पवार ढाल बनते रहे हैं। अब देवेंद्र और एकनाथ में नए सिरे से शह–मात का खेल शुरू हो सकता है। पिछले विधानसभा चुनावों के नतीजे आने के बाद एकनाथ शिंदे जब मुख्यमंत्री पद पर दाव लगा रहे थे तो अजित दादा ने ही फडनवीस को महायुति का मुख्यमंत्री घोषित कर दिया था। यह फडनवीस के लिए बहुत बड़ी राहत थी। हाल के नगर निगम चुनावों के दौरान जब अजित पवार ने भाजपा पर भ्रष्टाचार को लेकर राक्षसी भूख होने का आरोप लगाया था, तब देवेंद्र ने इसे हंसी–मजाक में टाल दिया था कि अजित पवार दो कदम आगे दो कदम पीछे होते रहते हैं और वह कहीं जाने वाले नहीं हैं। दादा की विदाई के बाद उनकी पार्टी के सामने तीन ही रास्ते बचते हैं। एक, पार्टी को पार्टी की तरह चलाया जाए और महाराष्ट्र की राजनीति में खुद के लिए अलग जगह बनाई जाए। दो, शरद पवार के आगे नतमस्तक हो कर उन्हें अपना नेता चुन लिया जाए। तीन, भाजपा की शरण में चल दिया जाए। सियासी जानकार कहते रहे हैं कि महाराष्ट्र जैसे राज्य में 6–6 दलों का लंबे समय तक टिके रहना संभव नहीं है। भाजपा, एन.सी.पी. और शिंदे सेना एक तरफ। कांग्रेस, शरद पवार की एन.सी.पी. और उद्धव ठाकरे की शिवसेना दूसरी तरफ। कुछ कहते रहे हैं कि जैसे एन.सी.पी. और शिवसेना 2–2 टुकड़ों में बंटीं, उसी तरह इन टुकड़ों का अपने–अपने गठबंधन की सबसे मजबूत पार्टी से नया रिश्ता बनना या फिर टुकड़ों का एक होना (दोनों में से एक) लाजमी है। तो क्या यह मान लिया जाए कि अजित पवार के जाने के बाद यह सिलसिला शुरू हो सकता है? यानी एन.सी.पी. अब एक हो जाए या अजित की एन.सी.पी. का बड़ा हिस्सा भाजपा में शामिल हो जाए। मुख्यमंत्री तो दूसरे विकल्प का स्वागत ही करेंगे क्योंकि ऐसा हुआ तो दो फायदे होंगे। एक, एकनाथ शिंदे की दबाव की राजनीति से छुटकारा मिलेगा और दो, भाजपा का महाराष्ट्र में राजनीतिक कैनवास और भी ज्यादा बड़ा हो जाएगा। इतना बड़ा कि बाकी के दल कोने में सिमटे दिखाई देंगे। अगर ऐसा नहीं हुआ तो फिर अजित पवार की एन.सी.पी. का क्या होगा? अगर अपने दम पर अपने वजूद को कायम रखना है तो क्या दादा की पत्नी सुनेत्रा पवार को आगे आना होगा और कमान संभालनी होगी? वह लोकसभा चुनावों में सुप्रिया सुले (ननद) के हाथों हारी थीं और इस समय राज्यसभा सांसद हैं। भले ही वह राजनीति के दाव–पेंच नहीं समझती हों लेकिन उनके साथ भावनाएं जुड़ी हुई हैं। भले ही वह बारामती के महिला संगठनों तक सीमित रही हों लेकिन अब राज्य भर में अजित पवार समर्थकों को एक करने की क्षमता रखती हैं। एक नाम पार्थ पवार का भी है। अपने दोनों बेटों को दादा ने सक्रिय चुनावी राजनीति से दूर ही रखा है। पार्थ ने जरूर 2019 का लोकसभा चुनाव लड़ा था लेकिन हार के बाद सियासत से दूरी बना ली। दूसरा बेटा लंदन में बैठकर पिता का कारोबार संभालता है। यह भी माना जा रहा है कि पवार के समर्थक और वरिष्ठ नेता पार्थ को अपना नेता मानने में झिझक महसूस कर सकते हैं। अलबत्ता सुनेत्रा के नाम पर किसी को शायद ही एतराज हो। वैसे एन.सी.पी. में प्रफुल्ल पटेल जैसे अनुभवी नेता भी हैं जो शरद पवार के लिए लंबे समय तक काम करते रहे हैं। शरद पवार के कारण ही वह यू.पी.ए. सरकार में मंत्री भी बनाए गए थे। पटेल गठबंधन की राजनीति के तमाम दाव–पेंच समझते हैं और इनके बीच में से अपने लिए रास्ता बनाना भी उन्हें बखूबी आता है। अलग–अलग दलों के नेताओं से उनकी दोस्ती, जान–पहचान है लेकिन अपने ही राज्य में कार्यकर्त्ताओं के बीच जमीनी पकड़ उतनी नहीं है जितनी उम्मीद किसी पार्टी अध्यक्ष से की जाती है। सुनील तटकरे भी मौका मिला तो एन.सी.पी. को संभालने की क्षमता रखते हैं। वैसे भी एन.सी.पी. की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष हैं और जमीनी कार्यकर्त्ताओं के बीच अच्छी पकड़ रखते हैं। कुछ लोग छगन भुजबल जैसे दलित नेता का भी नाम लेते हैं। हालांकि वह जेल से छूट कर फिर से सियासत में सक्रिय हैं लेकिन उन पर लग चुके आरोप उनका पीछा अभी भी नहीं छोड़ रहे। ऐसे में जो एकमात्र नाम बचता है, वह है शरद पवार। 84 साल की उम्र है, बीमार रहते हैं, रोजमर्रा की राजनीति उन्होंने बेटी सुप्रिया सुले और पोते रोहित पर छोड़ दी है।

रचना सक्सेना की कुण्डलियाँ

देखा बिगड़े भूल से, बनी बनाई बात।
मन मुरझाए फूल सा, करवट बीते रात।।
करवट बीते रात, नींद फिर उड़- उड़ जाती।
कोई अच्छी बात, नहीं फिर मन को भाती।।
कहती रचना आज, खींच लो सीमा रेखा।
कम बोले जो सोच, दुखी कब होते देखा।।

कम से कम बोलो सदा, शब्द नहीं हो शूल।
बात बनें छोटी बडी, एक जरा सी भूल।।
एक जरा सी भूल, बात को सदा बिगाड़े।
जैसे कोई गाँव, बवंडर खूब उजाड़े।।
कहती रचना आज, बात में रखता वो दम।
सोच समझकर बोल, बात जो करता है कम।।

रचना सक्सेना
अल्लोपीबाग
प्रयागराज

यू.जी.सी. इक्विटी रैगुलेशन, उलटी दिशा में सफर

मिहिर भोले

> *उसकी जगह कोर्ट ने अपनी शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए फिलहाल पूर्ववर्ती 2012 के नियम को लागू कर दिया है। मार्च के महीने में 2026 के विनियम पर विस्तृत सुनवाई होगी।*

सर्वोच्च न्यायालय द्वारा वीरवार यू.जी.सी. विनियम 2026 पर स्टे लगाने के बाद देश के हर सामान्य नागरिक विशेषकर छात्रों और शिक्षकों ने राहत की सांस ली है। उसकी जगह कोर्ट ने अपनी शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए फिलहाल पूर्ववर्ती 2012 के नियम को लागू कर दिया है। मार्च के महीने में 2026 के विनियम पर विस्तृत सुनवाई होगी। लेकिन माननीय मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायाधीश जॉयमाला बागची की खंडपीठ ने इसके बारे में जो टिप्पणियां की हैं, वे काफी गंभीर और विचारणीय हैं। उन्होंने जाति से जुड़े कुछ आधारभूत प्रश्न किए हैं। यू.जी.सी. के इस भेदभावपूर्ण विनियम के आलोक में माननीय सर्वोच्च न्यायालय की यह टिप्पणी कि क्या हम उल्टी दिशा में जा रहे हैं, अपने आप में बड़े प्रश्न खड़े करती है। खंडपीठ ने कहा कि हमें एक जातिविहीन समाज की ओर बढना चाहिए लेकिन हम आजादी के 75 साल बाद भी जाति की जंजीरों में जकड़े हुए हैं। क्या पिछले 75 वर्षों में हमने जो कुछ हासिल किया, उसको गंवाना चाहते हैं? यह चिंताजनक है। भारत का संविधान एक समावेशी समाज बनाने पर बल देता है। जातिवाद के खिलाफ हमने बड़े कदम उठाए हैं। जिस किसी को भी सुरक्षा की जरूरत है वह उसको मिलनी चाहिए। जहां तक इस विनियम का प्रश्न है, तो प्रथम दृष्टया यह अस्पष्ट दिखता है। कानून के विशेषज्ञों को इसकी भाषा को स्पष्ट करने की जरूरत है। अपने वर्तमान स्वरूप में इस विनियम के दुरुपयोग की संभावनाएं हैं और यह संविधान की धारा 31 सी को चुनौती देता है। ये वही प्रश्न थे जो हर किसी को खटक रहे थे। वास्तव में उच्च शिक्षा व्यवस्था से यह अपेक्षा की जाती है कि वह समाज को बांटने वाले पूर्वाग्रहों से ऊपर उठकर ज्ञान, विवेक और मुक्त चिंतन को बढ़ावा दे। विश्वविद्यालय और कॉलेज विचारों के ऐसे मंच होते हैं, जहां व्यक्ति अपनी पहचान से पहले छात्र

और फिर शोधकर्त्ता बनता है। दुर्भाग्यवश, यू.जी.सी. द्वारा प्रस्तावित इक्विटी रैगुलेशन 2026 इसी मूल भावना के विपरीत खड़ा दिखाई देता है। यह विनियम समानता के नाम पर भेदभाव की एक ऐसी इकतरफा और संकीर्ण परिभाषा गढ़ता है, जो समस्या के समाधान से अधिक, नई समस्याओं को जन्म देने वाली है। स्वयं मेरे लिए एक शिक्षक के रूप में यह मानना कठिन है कि कक्षा में खड़ा होकर कोई भी शिक्षक अपने विद्यार्थियों को जाति के चश्मे से देखता या उनसे कोई भेदभाव करता है। वर्षों तक पढ़ाने, मार्गदर्शन देने और शोध कराने के दौरान एक शिक्षक के लिए छात्र की पहचान उसकी जिज्ञासा, अनुशासन और बौद्धिक क्षमता से बनती है, न कि किसी सामाजिक वर्ग से। यही कारण है कि अधिकांश शिक्षक अपने छात्रों की उपलब्धियों में ईर्ष्या नहीं, बल्कि गर्व महसूस करते हैं, चाहे वे किसी भी जाति–वर्ग से हों। जिस रोहित वेमुला प्रकरण के आलोक में इस एकतरफा कानून को बनाने की बात कही जा रही थी, उसकी सच्चाई खुद तेलंगाना सरकार की रिपोर्ट में खुल चुकी है। यू.जी.सी. रैगुलेशन 2026 की सबसे गंभीर समस्या उसकी जातिगत भेदभाव की परिभाषा है। यह परिभाषा पहले ही यह मानकर चलती है कि शैक्षणिक परिसरों में भेदभाव एकतरफा होता है, यानी एक वर्ग स्वभावतरू उत्पीड़क है और दूसरा पीड़ित। यह दृष्टिकोण न केवल बौद्धिक रूप से आलसी है, बल्कि सामाजिक रूप से खतरनाक भी। क्या भेदभाव केवल एक ही दिशा में होता है? क्या अपमान, बहिष्कार, वैचारिक ड्क्षहसा और सामाजिक तिरस्कार किसी एक ही वर्ग तक ही सीमित है? आज का सामाजिक और राजनीतिक परिदृश्य बिल्कुल अलग है। जिन्हें हम पिछड़ा या दलित कह कर संबोधित करते हैं, वे अब देश और समाज का नेतृत्व कर रहे हैं, उच्चतम पदों पर आसीन हैं और अपनी क्षमता का प्रदर्शन कर रहे हैं। देश की अल्पसंख्यक सामान्य जाति की तरफ से इसका कोई विरोध भी नहीं है। फिर भी पिछले कुछ दशकों में विश्वविद्यालय परिसरों में खुलेआम जाति–आधारित नारेबाजी, सामूहिक अपमान और वैचारिक बहिष्कार के दृश्य देखे गए हैं। 'तिलक–तराजू और तलवार' जैसे प्रतीकों को गाली बनाकर प्रस्तुत करना, एक पूरे समुदाय को शोषक, मनुवादी या पितृसत्तात्मक कह कर खारिज करना अब फैशनेबल बना दिया गया है। संभवतरू मार्च में जब इस विनियम पर सुनवाई होगी तो न्यायालय के समक्ष खतरनाक जातिगत भेदभाव के ये उदाहरण भी रखे जाएंगे। इसको ध्यान में रखते हुए यदि अब सर्वोच्च न्यायालय की गंभीर टिप्पणियों को देखें तो यह स्पष्ट होगा कि हमारी असल जरूरत 'कास्ट–न्यूट्रल' कैंपस विकसित करने की है, जहां छात्र आपस में तथा छात्र और शिक्षक एक–दूसरे के साथ खुल कर बातचीत कर सकें और अपने विचार रख सकें। नियम जरूर बनें, पर वे ऐसे हों ताकि कैंपस में किसी के खिलाफ जातिगत दुर्व्यवहार या भेदभाव किया जाना असंभव हो। आवश्यकता इस बात की है कि हम पूर्वाग्रहों से प्रेरित नीति–निर्माण की बजाय संतुलित, तर्कसंगत और न्यायपूर्ण दृष्टि अपनाएं। यदि शिक्षा संस्थान ही सामाजिक अविश्वास और वैमनस्य के केंद्र बन गए, तो समाज को दिशा कौन देगा? आशा है सर्वोच्च न्यायालय में अब यू.जी.सी. रैगुलेशन 2026 को इन्हीं कसौटियों पर परखा जाएगा।

‘फिल्म इंडस्ट्री एकजुट नहीं’

इमरान हाशमी ने बॉलीवुड को लेकर किया खुलासा, ट्रोलिंग पर साझा की राय

इमरान हाशमी हाल ही में रिलीज हुई वेब सीरीज शतस्करीरू द स्मगलर्स वेब’ में नजर आए हैं। इसी बीच उन्होंने अमर उजाला से खास बातचीत में फिल्म इंडस्ट्री के तौर तरीकों पर बात की। डिजिटल से की गई बातचीत में इमरान हाशमी ने ‘तस्करी’ वेब सीरीज से जुड़े अनुभव साझा किए। इसके अलावा उन्होंने फिल्मों की बदलती कहानियों और सोशल मीडिया की तीखी प्रतिक्रियों पर भी अपनी राय रखी।

पढ़िए, इस खास बातचीत के प्रमुख अंश–

सीरीज ‘तस्करी’ आपके लिए क्या नया लेकर आई?

मुझे अंदाजा ही नहीं था कि यह दुनिया इतनी रॉ और रियल होगी। एयरपोर्ट और कस्टम में चीजें किस तरह होती हैं यह आम नागरिकों को कभी पता नहीं चलता। स्मगलिंग का सामान देश में किस तरह अंदर आता है, यह भी हमें सिर्फ खबरों में पढ़ने को मिलता है। लेकिन इस वेब सीरीज के लिए टीम ने जिस स्तर पर रिसर्च की वह बहुत चौंकाने वाला था। कस्टम अफसर कैसे काम करते हैं और पूरी प्रोसेस कैसे चलती है...यह सब जानना मेरे लिए नया और अलग अनुभव था।

आज इंडस्ट्री को पहले से कितना बदला हुआ पाते हैं? परिभाषा बहुत बदल गई है। मैंने जब शुरुआत की थी तब लीड हीरो की एक तय इमेज होती थी। हीरो आता था, हालात पलट देता था और कहानी पूरी हो जाती थी लेकिन आज का समय इससे बहुत अलग है। ओटीटी ने ऑडियंस का टेस्ट बदल दिया है। कोविड के बाद ऑडियंस ने दुनिया भर का कंटेंट देखा है। अब लीडिंग मैन सिर्फ हीरो नहीं होता, बल्कि उसका किरदार स्पष्ट और गहराई वाला लिखना पड़ता है। कई किरदारों वाली फिल्में बन रही हैं और एक ही जॉनर में कई तरह के प्रयोग हो रहे हैं। यह बदलाव इंडस्ट्री के लिए अच्छा है। बतौर अभिनेता सोशल मीडिया की नकारात्मकता और ट्रोलिंग का कितना असर पड़ता है? बहुत ज्यादा असर पड़ता है। सोशल मीडिया आज सबसे ज्यादा शोरगुल से भरा मंच बन चुका है। यहां ट्रोलिंग होती है, नकारात्मक जानकारी और गलत बातें भी तेजी से फैल जाती हैं। फैन आपस में भिड़ भी जाते हैं। पहले ऐसा माहौल नहीं था। मैं एक साधारण माहौल से आता हूं, इसलिए यह लगातार बढ़ता डिजिटल शोर कई बार मानसिक रूप से थका देता है। क्या आपको लगता है कि फिल्म इंडस्ट्री सच में एकजुट नहीं है? हां, ऐसा ही लगता है। फिल्म इंडस्ट्री एकजुट नहीं है। यहां लोग सामने कुछ नहीं कहते, लेकिन पीठ पीछे बहुत बातें होती हैं। इंडस्ट्री में खींचतान की मानसिकता बहुत आम है। अगर कोई अच्छा काम कर रहा हो तो कई लोग उसे नीचे लाने की कोशिश करते हैं। यह सोच कि अगर मेरे पास नहीं है तो दूसरे के पास क्यों हो, अभी भी यहां मौजूद है और यह अच्छी बात नहीं है। कौन सा जोनर है जिसे भारतीय सिनेमा अब तक एक्सप्लोर नहीं कर पाया? साइंस फिक्शन। हमने इसे छुआ जरूर है, लेकिन कभी गहराई से नहीं बनाया। सच यह है कि साइंस फिक्शन तभी सफल हो सकता है जब निर्देशक मजबूत हो और विषय वास्तव में नया और अलग हो। नहीं तो यह जोनर प्रभाव नहीं डाल पाता। बॉक्स ऑफिस नंबर और ओटीटी व्यूअरशिप का प्रेशर आप कैसे संभालते हैं? देखिए, दबाव हमेशा रहता है लेकिन वैसा नहीं जैसा लोग बाहर से समझते हैं। जब आप कोई फिल्म करते हैं, तो बस यही उम्मीद होती है कि ऑडियंस उसे स्वीकार करे। सच यह है कि कोई नहीं जानता कि फिल्म थिएटर में चली या ओटीटी पर पसंद की जाएगी। अगर आप हर समय इसके बारे में सोचते रहेंगे, तो आपका ध्यान काम से हट जाएगा। यह सब आपके कंट्रोल में नहीं होता। आपकी जिम्मेदारी बस ईमानदारी से अपना काम करना है। फिर आज यह समझना और भी मुश्किल हो गया है कि क्या चलेगा और क्या नहीं। बॉक्स ऑफिस पर शुक्रवार को आंकड़े आते ही सभी चिंतित हो जाते हैं। प्रोड्यूसर को भी इसी बात की चिंता रहती है कि अगर फिल्म अच्छी शुरुआत नहीं कर पाई तो आगे क्या होगा? ओटीटी पर भी यही दबाव होता है। अगर पहले वीकएंड में व्यूअरशिप कम रहती है, तो शो या फिल्म की सक्सेस धीमी हो जाती है। इंडस्ट्री में अब सब कुछ आंकड़ों पर बेस्ड है। और कई बार ये आंकड़े भी सही नहीं होते, क्योंकि उनमें जानबूझकर बदलाव कर दिए जाते हैं। हम सबको इस स्थिति में काम करना पड़ रहा है। क्या सोशल मीडिया फिल्म की किस्मत भी बदल देता है? हां, बिल्कुल। आजकल कई फिल्में कंटेंट की वजह से नहीं बल्कि सोशल मीडिया की वजह से पहले तीन दिनों में ही नुकसान झेलती हैं।

बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनम कपूर ने हाल ही में मैटरनिटी फोटोशूट कराया है। सोनम दूसरी बार मां बनने वाली हैं। उन्होंने सोमवार को अपनी कुछ नई तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका लुक काफी कॉन्फिडेंट और स्टाइलिश नजर आ रहा है। तस्वीरें पोस्ट करते हुए एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा, "मामा' डे आउट।" सोनम की आउटफिट में एक्सेसरीज को सिंपल रखा गया है। उन्होंने डायमंड पेंडेंट, वेस्ट चेन, कुछ रिंग्स और ब्लैक हर्मेस बकेट बैग कैरी किया है। सोनम की आउटफिट में एक्सेसरीज को सिंपल रखा गया है। उन्होंने डायमंड पेंडेंट, वेस्ट चेन, कुछ रिंग्स और ब्लैक हर्मेस बकेट बैग कैरी किया है। मेकअप की बात करें तो सोनम ने फुल ग्लैम लुक सेलेक्ट किया है। आंखों पर हल्की शिमर, शार्प आईलाइनर और लंबी लैशेज दिखाई देती हैं। बता दें कि सोनम के इस आउटफिट को उनकी बहन रिया कपूर ने स्टाइल किया है। सोनम पहले से ही एक बच्चे की मां हैं। उनका बेटा वायु तीन साल का है, जिसका जन्म अगस्त 2022 में हुआ था। एक्ट्रेस ने 8 मई 2018 को बिजनेसमैन आनंद आहूजा से मुंबई में सिख रीति–रिवाज से शादी की थी। सोनम के पति आनंद, शाही एक्सपोर्ट्स के मैनेजिंग डायरेक्टर और फैशन ब्रांड भाने के मालिक हैं। सोनम ने अपने करियर की शुरुआत साल 2007 में फिल्म सांवरिया से की थी। एक्ट्रेस की नीरजा, रांझणा और प्रेम रतन धन पायो प्रमुख फिल्में हैं।

करीना कपूर ने बॉलीवुड के तमाम बड़े स्टार्स के साथ काम किया है. वे हिंदी सिनेमा की टॉप एक्ट्रेस में से एक हैं. लेकिन क्या आप जानते हैं कि करीना अपने एक को–स्टार पर लट्टू थीं. वे उन्हें इतना पसंद करती थी कि उन्हें देखते ही ब्लश करने लगती थीं. ये हीरो कोई और नहीं ‘धुरंधर’ के रहमान डकैत का खौफनाक किरदार निभाकर सबके चहेते बन चुके अक्षय खन्ना हैं. करीना कपूर का क्रश थे अक्षय खन्ना 2004 में आई श्हलचलश में करीना कपूर और अक्षय खन्ना ने साथ काम किया था और ये फिल्म हिट रही थी. वहीं इस फिल्म के प्रमोशन के दौरान, करीना ने अक्षय के साथ काम करने के एक्सपीरियंस के बारे में बात की थी साथ ही कहा था कि अक्षय उनके क्रश थे. करीना कपूर ने बताया था, ‘मैंने हिमालय पुत्र’ कम से कम 20 बार देखी है क्योंकि उस समय मैं स्कूल में थी और अक्षय खन्ना मेरे सबसे लेटेस्ट हार्टथ्रोब थे तो लड़कियां उनके पीछे पागल थीं और मैं भी उसमें शामिल थी. यह कुछ इस तरह था, श्अक्षये खन्ना, मैं बैचलर हूं, मैं बैचलर हूं, ओह माय गॉड अक्षय खन्नाश, तो बात कुछ ऐसी ही थी. इसलिए मुझे अक्षय हमेशा से पसंद रहे हैं.ष श्जब वी मेटश की अभिनेत्री ने आगे कहा था। , ष्वह बहुत प्यारे,एडोरेबल और बहुत अच्छे इंसान हैं. वह एक बेहतरीन अभिनेता हैं,हॉलीवुड जाने के लिए वह बिल्कुल सही हैं क्योंकि उनका अभिनय लाजवाब है.ष धुरंधरश के श्रहमान डकैतश की दीवानी थीं करीना कपूर, खुद किया था खुलासा, कहा था–श्मैं स्कूल में थी और वो. ... अक्षय खन्ना अपकमिंग फिल्में अक्षय खन्ना धुरंधर में अपने किरदार रहमान डकैत से खूब फेमस हुए हैं.

बेंगलुरु के हाई ग्राउंड्स पुलिस स्टेशन में बुधवार को बॉलीवुड एक्टर रणवीर सिंह के खिलाफ हिंदू धार्मिक भावनाओं और कर्नाटक की चावुंडी दैव परंपरा का अपमान करने के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई है।

एनडीटीवी की रिपोर्ट के मुताबिक, यह मामला 28 नवंबर 2025 को गोवा में आयोजित इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया (ष्थ्थ) से जुड़ा है। रणवीर सिंह के खिलाफ यह एफआईआर बेंगलुरु के वकील प्रशांत मेथल ने दर्ज कराई है।

शिकायतकर्ता का आरोप है कि रणवीर सिंह ने मंच पर आपत्तिजनक टिप्पणियां कीं और ऐसा अभिनय किया, जिससे दैवा परंपरा के पवित्र तत्वों का मजाक उड़ाया गया। शिकायत में कहा गया है कि रणवीर ने पंजुरली और गुलिगा दैवा से जुड़े भाव–हावभाव की नकल की और उन्हें भद्दे, हास्यास्पद और अपमानजनक तरीके से प्रस्तुत किया।

इसके अलावा अभिनेता पर चावुंडी दैव को ‘महिला भूत’ कहने का भी आरोप लगाया गया है। शिकायतकर्ता के अनुसार, चावुंडी दैवा कर्नाटक के तटीय क्षेत्रों में पूजनीय रक्षक देवी मानी जाती हैं और वे दिव्य स्त्री शक्ति का प्रतीक हैं। उन्हें ‘भूत’ कहना धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला बताया गया है।

अब यह मामला बेंगलुरु की प्रथम अतिरिक्त मुख्य महानगर मजिस्ट्रेट (ब्डड) अदालत को भेज दिया गया है और 8 अप्रैल को इस मामले में सुनवाई की जाएगी। बता दें, वकील प्रशांत मेथल ने 27 दिसंबर 2025 को बेंगलुरु में अपर न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष एक निजी शिकायत दर्ज की गई थी, जिसके बाद 23 जनवरी 2026 को अदालत ने बीएनएस की धारा 175, उपधारा 3 के तहत हाई ग्राउंड्स पुलिस को एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया था।

जानिए क्या है पूरा मामला?

रणवीर सिंह 28 नवंबर 2025 को गोवा में इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया का हिस्सा बने थे। इस दौरान मंच पर उन्होंने फिल्म कांतारा में दिखाई गईं चावुंडी (चामुंडा) देवी का मजाक बनाया था।

रणवीर सिंह ने फिल्म के डायरेक्टर और एक्टर ऋषभ शेट्टी से कहा, श्ऋषभ मैंने इसे (कांतारा) थिएटर में देखा था। वो एक आउटस्टैंडिंग परफॉर्मेंस थी, खासकर जब फीमेल घोस्ट (भूत) आपके शरीर में आती है। वो परफॉर्मेंस, वो एक शॉट आउटस्टैंडिंग था।श

आगे रणवीर सिंह ने कहा, श्क्या आपने कांतारा देखी है। जब वो शॉट आता हैश। आगे रणवीर सिंह ने खुद उस कैरेक्टर की मिमिक्री करते हुए मजाक उड़ाया। आगे रणवीर ने कहा, श्क्या यहां कोई है, जो मुझे कांतारा 3 में देखना चाहता है, वो इस आदमी से कहे।श

फिल्म फेस्टिवल से रणवीर सिंह का एक और वीडियो सामने आया था, जिसमें वो मंच से उतरने के बाद भी ऋषभ शेट्टी के सामने चावुंडी देवी की मिमिक्री करते दिखाई दिए, हालांकि ऋषभ शेट्टी लगातार इशारा कर उन्हें रोकते नजर आए थे। वहीं, सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद एक्टर की जमकर आलोचना भी हुई थी।

पणजी में भी दर्ज हुई शिकायत, माफी मांगी थी

बैंगलोर में दर्ज हुई इस शिकायत से पहले भी रणवीर सिंह के खिलाफ पणजी में शिकायत दर्ज हो चुकी है। 2 दिसंबर को हिंदू जनजागृति समिति ने धार्मिक भावनाएं आहत करने के आरोप में रणवीर के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई थी।

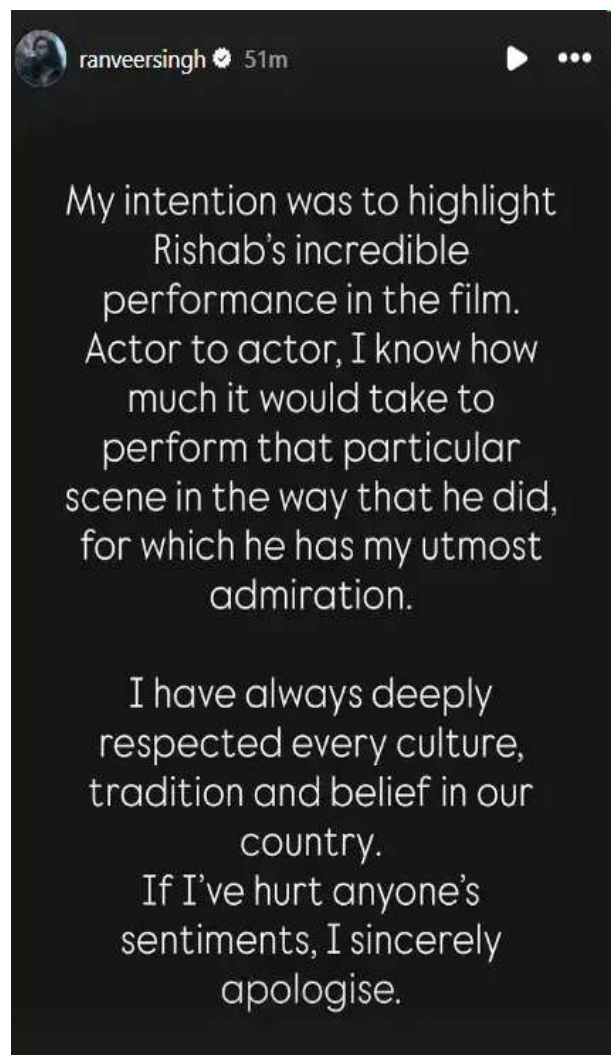

आम के छिलकों को बतौर क्लीनर भी इस्तेमाल किया जा सकता है। इसमें मौजूद एसिड सतहों को साफ और चमकाने में मदद कर सकते हैं। आप आम के छिलके को सीधे स्टेनलेस स्टील, तांबे या अन्य ध ाातु की सतहों पर रगड़ें, फिर नम कपड़े से पोंछें।

गर्मी का मौसम हो और आम का सेवन ना किया जाए, ऐसा तो हो ही नहीं सकता। आम को फलों का राजा कहा जाता है और इसका स्वाद बेमिसाल होता है। हम सभी गर्मी के मौसम में आम को कई अलग–अलग तरीकों से खाना पसंद करते हैं। लेकिन अमूमन यह देखा जाता है कि आम खाकर उसके छिलकों को यूं ही डस्टबिन में फेंक दिया जाता है। हालांकि, अगर आप चाहें तो आम के छिलकों को कई अलग–अलग तरीकों से काम में ला सकते हैं। जी हां, आम के छिलके बेकार नहीं होते हैं, वे आपके बहुत ज्यादा काम आ सकते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको आम के बेकार समझे जाने वाले छिलकों को इस्तेमाल करने के कुछ बेमिसाल आइडियाज के बारे में बता रहे हैं–

नेचुरल क्लीनर की तरह करें इस्तेमाल

आम के छिलकों को बतौर क्लीनर भी इस्तेमाल किया जा सकता है। इसमें मौजूद एसिड सतहों को साफ और चमकाने में मदद कर सकते हैं। आप आम के छिलके को सीधे स्टेनलेस स्टील, तांबे या अन्य ध ाातु की सतहों पर रगड़ें, फिर नम कपड़े से पोंछें।

कंपोस्ट में करें शामिल

अगर आपको गार्डनिंग का शौक है तो आप घर पर ही कंपोस्ट तैयार कर सकते हैं और इसमें आम के छिलकों का इस्तेमाल कर सकते हैं। आम के छिलके पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं जो कंपोस्ट को और भी ज्यादा समृद्ध कर सकते हैं। इसके लिए आप कंपोस्ट के ढेर या डिब्बे में आम के छिलके डालें ताकि इसकी पोषक सामग्री बढ़े।

कीटों को रखे दूर

आम के छिलकों का इस्तेमाल कीड़ों को दूर रखने के लिए भी किया जा सकता है। इसके लिए आप सूखे आम के छिलकों को उन जगहों पर रखें जहां कीड़े की समस्या है।

एयर फ्रेशनर की तरह करें इस्तेमाल

सूखे आम के छिलकों का उपयोग प्राकृतिक एयर फ्रेशनर बनाने के लिए किया जा सकता है। आम के छिलकों से एयरफ्रेशनर बनाना भी काफी आसान है। इसके लिए आप पहले छिलकों को सुखाएं और फिर उन्हें एक पाउच या कटोरे में रखें। आप देखेंगे कि वह स्थान हल्का महकने लगेगा।

अगर आप भी पसीने की बदबू से प्राकृतिक रूप से छुटकारा पाना चाहते हैं, तो हम आपको यहां पर कुछ ऐसे टिप्स बताने जा रहे हैं। जिनको फॉलो कर आप परफ्यूम लगाना भी भूल सकते हैं और पसीने की बदबू से भी राहत पा सकते हैं।

गर्मियों के मौसम में पसीना आना बेहद आम बात है। पसीन के कारण अक्सर शरीर से अजीब तेज बदबू आने लगती है। जिसके कारण लोगों की परेशानी और भी बढ़ जाती है। पसीने की बदबू आने के कारण किसी से मिलने में भी शर्मिंदगी महसूस होती है। वहीं पसीने की बदबू से राहत पाने लोग परफ्यूम का भी इस्तेमाल करते हैं। लेकिन परफ्यूम लगाना सिर्फ कुछ समय के लिए प्रभावी होता है।

परफ्यूम का असर खत्म होने के बाद पसीने की बदबू फिर से आनी शुरू हो जाती है। ऐसे में अगर आप भी पसीने की बदबू से प्राकृतिक रूप से छुटकारा पाना चाहते हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे टिप्स बताने जा रहे हैं। जिनको फॉलो कर आप परफ्यूम लगाना भी भूल सकते हैं।

कैसे पाएं छुटकारा

गर्मियों में हमेशा सूती यानी कॉटन कपड़े पहनना चाहिए। क्योंकि यह पसीने को सोखने में सहायक होते हैं। साथ ही इससे पसीने की बदबू भी कम होती है। दरअसल, सिंथेटिक कपड़े पसीने को फंसा सकते हैं और बदबू पैदा करते हैं। इसलिए इस मौसम में पसीने की समस्या से बचने के लिए सूती कपड़े का चुनाव करना चाहिए।

नींबू का रस

अगर गर्मियों में आपके अंडरआर्म्स से भी अधिक बदबू आती है, तो इससे निजात पाने के लिए आप नींबू के रस का इस्तेमाल कर सकते हैं। कपड़ों को धोने के दौरान पानी में नींबू का रस मिलाकर धोएं। वहीं नींबू को अंडरआर्म्स के पास रब करके इसे ठंडे पानी से धो दें।

रोजाना नहाएं

गर्मियों में रोजाना स्नान करना चाहिए। आप चाहें तो दिन में दो बार भी स्नान कर सकते हैं। इससे भी आपको पसीने से आने वाली बदबू से छुटकारा मिल सकता है। वहीं तेज धूप में बाहर निकलने से बचना चाहिए। जब आप तेज धूप में निकलने से बचेंगे तो पसीना नहीं आएगा और बदबू भी नहीं आएगी।

हाइड्रेटेड

गर्मियों के मौसम में अधिक से अधिक पानी पीना चाहिए। शरीर को हाइड्रेट रखने से पसीने की बदबू दूर होगी। इससे तनाव और चिंता भी कम होगी। अधिक स्ट्रेस लेने के कारण भी पसीना अधिक आने लगता है और बदबू आने लगती है।

आप घरेलू नुस्खों की मदद से आपकी स्किन का ध्यान रखना चाहते हैं, तो आज हम आपको घर पर नारियल क्रीम बनाने के बारे में बताने जा रहे हैं। इसको बनाकर आप घर बैठे अपनी त्वचा को निखार सकते हैं।

लगातार बढ़ते तापमान में लोगों को परेशान कर रहा है। इस मौसम में न सिर्फ सेहत बल्कि त्वचा का भी खास ख्याल रखना पड़ता है। वहीं दिन में बाहर जाने वालों ने भी अपना स्किन केयर करना शुरूकर दिया है। समर सीजन में स्किन का ध्यान रखना बेहद जरूरी होता है। क्योंकि यदि आप इस मौसम में अपनी त्वचा का ध्यान नहीं रखते हैं, तो आने वाले समय में आपको स्किन संबंधी समस्या परेशान कर सकती है।

हालांकि आज के समय में स्किन संबंधी परेशानी के लिए पार्लर में स्किन केयर ट्रीटमेंट मिल जाता है। लेकिन अगर आप घरेलू नुस्खों की मदद से आपकी स्किन का ध्यान रखना चाहते हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको घर पर नारियल क्रीम बनाने के बारे में बताने जा रहे हैं। इस क्रीम को घर पर बनाना काफी आसान है। इसको बनाकर आप घर बैठे अपनी त्वचा को निखार सकते हैं। तो आइए जानते हैं कि किस तरह से आप घर पर नारियल की क्रीम बनाकर इसका लाभ ले सकते हैं।

नारियल क्रीम बनाने का सामान

नारियल तेल– 1 कप

नेचुरल एलोवेरा जेल– 1 चम्मच

एसेंशियल ऑयल– 1 से 2 बूंदे

विधि

इस क्रीम को बनाने के लिए एक कटोरी में पिघला हुआ नारियल का तेल लें और उसमें एलोवेरा जेल मिक्स करें। जब यह अच्छे से मिक्स हो जाए, तो इसमें अपनी जरूरत के हिसाब के कुछ बूंदे एसेंशियल ऑयल की डालें।

आप चाहें तो एसेंशियल ऑयल की जगह लैवेंडर, पेपरमिंट या साइट्रस तेल भी मिक्स कर सकती हैं। इन सबको अच्छे से मिक्स करें। इस तरह से नारियल की क्रीम बनकर तैयार हो जाएगी।

रूखी त्वचा के लिए फायदेमंद

आप नारियल क्रीम का इस्तेमाल कभी भी कर सकती हैं। बता दें ड्राई स्किन वाले लोगों के लिए यह क्रीम काफी फायदेमंद होती है। इसके इस्तेमाल से आपकी स्किन मुलायम बनेगी।

कब तक करें इस्तेमाल

इस क्रीम को बनाने के दौरान इस बात का ध्यान रखें कि आप इसको सिर्फ 10 तक इस्तेमाल में ला सकती हैं। वहीं उपयोग में लाने से पहले पैच टेस्ट करना न भूलें।

आज हम आपको कुछ ऐसे घरेलू नुस्खे के बारे में बताने जा रहे हैं। जिनको अपनाने से आप सन टैनिंग की समस्या से राहत पा सकती हैं। इन नुस्खों को अपनाने से खोई हुई रंगत भी लौट सकती हैं।

गर्मियों के मौसम में सिर्फ हमें अपनी सेहत का ही नहीं बल्कि बालों से लेकर स्किन तक का खास ख्याल रखना पड़ता है। वहीं बात जब स्किन की आती है, तो इस मौसम में टैनिंग की समस्या आम मानी जाती है। टैनिंग की समस्या से बचने के लिए हम एसपीएफ वाली सनस्क्रीन का इस्तेमाल करते हैं। हालांकि इन सनस्क्रीन की मदद से आप न्ट। और न्टठ जैसी हानिकारक किरणों से तो बच जाते हैं, लेकिन फिर भी हमारी सेंसिटिव त्वचा टैनिंग का शिकार हो जाती है। टैनिंग की समस्या से बचने के लिए गर्मियों में हम सभी हाफ स्लीव और बैकलेस कपड़े नहीं पहन पाते हैं।

सूरज की किरणों से काली हुई स्किन को ठीक होने में समय लगता है। ऐसे में अगर आप भी टैनिंग की समस्या से जल्द से जल्द राहत पाना चाहती हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे घरेलू नुस्खे के बारे में बताने जा रहे हैं। जिनको अपनाने से आप सन टैनिंग की समस्या से राहत पा सकती हैं। इन नुस्खों को अपनाने से खोई हुई रंगत भी लौट सकती हैं।

बादाम है फायदेमंद

बादाम में एमोलिएंट्स और फैटी एसिड भरपूर मात्रा में पाया जाता है। जो त्वचा को हाइड्रेट करने और पोषण देने में सहायता करता है। धूप से झुलसी स्किन पर बादाम तेल अप्लाई करने से नमी आती है।

सबसे पहले एक कटोरी में 1 चम्मच बादाम पाउडर और 1 चम्मच शहद डालकर मिक्स करें।

फिर इस मास्क को अपने फेस और गर्दन पर 15–20 मिनट के लिए अप्लाई करें और सूखने के बाद गुनगुने पानी से चेहरा धो लें।

यह नुस्खा टैनिंग की समस्या को कम करेगा। आप चाहें तो सप्ताह में दो से तीन बार इस फेसपैक को लगा सकती हैं।

छाछ से बनें ओट्स

ओट्स हमारी सेहत के लिए फायदेमंद होता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि यह टैन स्किन के लिए भी लाभकारी होता है। यह हमारी त्वचा को एक्सफोलिएट करने के साथ–साथ डेड सेल्स हटाने में सहायता करता है। वहीं छाछ के इस्तेमाल से स्किन कोमल और मुलायम होती है। ऐसे में इसका इस्तेमाल करना और बनाना बेहद आसान है।

एक बाउल में 1 बड़ा चम्मच ओट्स और 2 बड़े चम्मच छाछ मिला लें।

फिर इस पेस्ट को गर्दन, फेस, हाथ और पैरों में मालिश करते हुए अप्लाई करें। अब इसको 20 मिनट के लिए छोड़ दें और फिर नॉर्मल पानी से धो लें।

अगर आप सप्ताह में दो बार इस पैक को लगाती हैं तो आपको टैन स्किन से छुटकारा मिल जाएगा।

बादाम तेल

इसके साथ ही बादाम का तेल भी सन टैन को दूर करने में फायदेमंद होता है। बादाम तेल से मसाज करना भी लाभकारी होता है। टैनिंग की समस्या को हटाने के लिए बादाम तेल को हाथों पर अच्छे से रगड़ें और फिर स्किन पर मसाज करें। इसको रात भर के लिए लगा रहने दें। आप इसको तब तक लगा सकते हैं, जब तक आपकी त्वचा पहले की तरह ग्लो न करने लगे और टैनिंग की समस्या न खत्म हो जाए।

मसूर दाल

बता दें कि मसूर की दाल में एक्सफोलिएटिंग गुण पाया जाता है। वहीं टमाटर में एंटीऑक्सीडेंट गुण होने के साथ एसिड नेचर होता है। जो आपकी त्वचा में निखार लाने का काम करता है। वहीं एलोवेरा हमारी स्किन को मॉइस्चराइज करने के साथ ठंडक पहुंचाता है।

मसूर दाल को रात में पानी में भिगो दें और फिर इसको ब्लेंड कर लें।

अब कटोरी में टमाटर का रस निकालकर दाल के पेस्ट में मिक्स करें।

अब इस पेस्ट को अपने फेस और गर्दन पर 20–30 मिनट के लिए अप्लाई करें।

वहीं पेस्ट सूखने के बाद हल्के गुनगुने पानी से चेहरा साफ कर लें।

सेमीफाइनल का टिकट पक्का करने उतरेगी भारतीय अंडर–19 टीम, पाकिस्तान से हिसाब होगा चुकता ?

बुलावायो,एजेंसी। पांच बार की चौंपियन भारतीय अंडर–19 टीम का सामना सुपर सिक्स के मुकाबले में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से रविवार को होगा। पाकिस्तान ने विश्व कप से पहले एशिया कप के फाइनल में भारतीय टीम को हराया था और अब आयुष म्हात्रे की अगुआई वाली टीम के पास पाकिस्तान से हिसाब चुकता करने का मौका रहेगा। भारतीय टीम अब तक टूर्नामेंट में अजेय चल रही है और पाकिस्तान के खिलाफ जीत दर्ज करते हुए वह सेमीफाइनल में जगह बना लेगी। पाकिस्तान ने दिसंबर में अंडर–19 एशिया कप के फाइनल में पाकिस्तान को 191 रनों से हराया था। अब भारतीय टीम इसी हार का बदला चुकता करने उतरेगी। माना जा रहा है कि पाकिस्तान के खिलाफ भारतीय टीम नो हैंडशेक की नीति बरकरार रखेगी। भारतीय टीम के खिलाफ मैच के दौरान या मैच के बाद पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिला रहे हैं। ऐसा ही अंडर–19 एशिया कप के फाइनल में भी देखने मिला था।

सेमीफाइनल के लिए तीन टीमों ने क्वालिफाई कर लिया है। ऑस्ट्रेलिया, अफगानिस्तान और इंग्लैंड अंतिम चार में पहुंच चुके हैं और अब सिर्फ एक स्थान शेष है। भारत ने अपने सभी मैच जीते हैं और वह छह अंक लेकर इंग्लैंड के बाद दूसरे स्थान पर मौजूद है। भारत का नेट रन रेट भी 3.337 का है। भारत अगर रविवार को पाकिस्तान को हरा देता है तो वह सेमीफाइनल में पहुंच जाएगा और पाकिस्तान का सफर सुपर सिक्स चरण में ही थम जाएगा। इतना ही नहीं, अगर किसी तरह पाकिस्तान ने भारत को हरा भी दिया तो दोनों टीमों के एक समान छह अंक होंगे। भारत का नेट रन रेट पाकिस्तान से बेहतर है और इसमें बड़ा बदलाव नहीं हुआ तो भी टीम सेमीफाइनल में पहुंच सकती है। भारतीय टीम अब तक अंडर–19 विश्व कप में शानदार लय में है। भारत ने अपने अभियान की शुरुआत अमेरिका को छह विकेट से हराकर की थी। इसके बाद बांग्लादेश और न्यूजीलैंड को ग्रुप चरण में हराया था। सुपर सिक्स चरण के पहले मैच में भारत ने जिम्बाब्वे को 204 रनों से हराया था। हालांकि, पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबला आसान नहीं रहेगा क्योंकि हाल ही में म्हात्रे की अगुआई वाली टीम को पाकिस्तान से हार मिली थी।

विकेटकीपर बल्लेबाज अभिज्ञान कुंडू शानदार फॉर्म में हैं। उन्होंने चार मैच में 183 रन बनाए हैं और उनका सर्वोच्च स्कोर 80 रन है। टीम के स्टार सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी लय में हैं और उन्होंने चार मैचों में 166 रन बनाए हैं। उनके बल्ले से अब तक दो अर्धशतक निकल चुके हैं। विहान मल्होत्रा के रूप में भारत के पास मध्यक्रम में एक अच्छा बल्लेबाज है। उन्होंने चार मैचों में 151 रन बनाए हैं। जिम्बाब्वे के खिलाफ विहान ने नाबाद 109 रनों की पारी खेली थी। गेंदबाजी में तेज गेंदबाज हेनिल पटेल चार मैचों में 10 विकेट ले चुके हैं, जबकि उद्धाव मोहन ने जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन विकेट झटके हैं। कप्तान म्हात्रे ने भी जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन विकेट लिए थे। वहीं, आरएस अंबरीश भी विपक्षी टीम को शुरुआती झटके देने में सक्षम हैं। पाकिस्तान ने इंग्लैंड के खिलाफ अपना शुरुआती मैच गंवाया था, लेकिन इसके बाद उसने स्कॉटलैंड और जिम्बाब्वे के खिलाफ अगले दो मुकाबले जीते थे। सुपर सिक्स चरण में पाकिस्तान ने न्यूजीलैंड को आठ विकेट से हराया था और वह भारत के खिलाफ बढ़े मनोबल के साथ उतरेगी। ओपनर समीर मिनहास ने टूर्नामेंट में प्रभावित किया है और वह दो अर्धशतक लगा चुके हैं। मिनहास ने एशिया कप फाइनल में भारत के खिलाफ 172 रन बनाए थे। गेंदबाजी विभाग में अली रजा पाकिस्तान की अगुआई कर रहे हैं जिन्होंने चार मैचों में 12 विकेट लिए हैं। भारतीय बल्लेबाजों को उनके खिलाफ संभलकर खेलना होगा।

वहीं, अब्दुल शुभान भी चार मैचों में 10 विकेट ले चुके हैं।

इस मैच के लिए दोनों टीमें इस प्रकार है...

भारत– आरोन जॉर्ज, अभिज्ञान कुंडू, हरवंश पंगालिया, वैभव सूर्यवंशी, वेदांत त्रिवेदी, आयुष म्हात्रे (कप्तान), विहान मल्होत्रा, आरएस अंबरीश, कनिष्क चौहान, खिलान पटेल, दीपेश देवेंद्रन, हेनिल पटेल, मोहम्मद इनान, उद्धाव मोहन, किशन सिंह।

पाकिस्तान– फरहान युसूफ (कप्तान), उस्मान खान, अली हसन बलोच, हम्जा जहूर, हुजैफा एहसान, मोहम्मद शायन, समीर मिनहास, अहमद हुसैन, अब्दुल शुभान, अली रजा, डेनियल अली खान, मोहम्मद सयाम, मोमिन कमार, निकाब शफीक, उमर जैब।

ऑस्ट्रेलिया को विश्व कप से पहले लगा बड़ा झटका

सिडनी,एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया को टी20 विश्व कप शुरू होने से पहले ही बड़ा झटका लगा है। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी तेज गेंदबाज पैट कमिंस चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं।

ऑस्ट्रेलिया ने 15 सदस्यीय टीम में दो बदलाव किए हैं। कमिंस के अलावा शीर्ष क्रम के बल्लेबाज मैथ्यू शॉर्ट भी टीम से बाहर हो गए हैं। इन दोनों की जगह टीम में तेज गेंदबाज बेन ड्वारशुइस और बल्लेबाज मैथ्यू रेनशॉ को जगह दी गई है। कमिंस लंबे समय से चोट से जूझ रहे हैं।

उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ एशेज टेस्ट सीरीज के ज्यादातर मैचों में हिस्सा नहीं लिया था। माना जा रहा था कि वह टी20 विश्व कप से मैदान पर वापसी करेंगे, लेकिन टूर्नामेंट को शुरू होने में अब सात दिन का समय शेष है, ऐसे में कमिंस समय से पूरी तरह ठीक नहीं हो सके। अंततरू क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया को उन्हें बाहर करने का फैसला लेना पड़ा। कमिंस ऑस्ट्रेलिया के अहम सदस्य हैं और उनका नहीं होना कंगारू टीम के लिए बड़ा झटका है।

जोश हेजलवुड, टिम डेविड और नाथन एलिस की तिकड़ी ने टी20 विश्व कप के लिए फिटनेस टेस्ट पास कर लिया है। एशेज से पहले हैमस्ट्रिंग चोट लगने के बाद से हेजलवुड नहीं खेले हैं।

क्या भारत बरकरार रख पाएगा टी20 विश्व कप का खिताब?

कोलकाता,एजेंसी। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान और बंगाल क्रिकेट संघ (कैब) के अध्यक्ष सौरव गांगुली ने भारतीय टीम को टी20 विश्व कप के खिताब का प्रबल दावेदार बताया है। इस वैश्विक टूर्नामेंट का काउंटडाउन शुरू हो गया है और 20 टीमों के बीच खेले जाने वाला यह टूर्नामेंट सात फरवरी से होगा। भारत और श्रीलंका मिलाकर कुल आठ स्थानों पर इसके मैच खेले जाएंगे। गांगुली के अनुसार, सूर्यकुमार यादव की अगुआई वाली भारतीय टीम काफी मजबूत है और मौजूदा समय में अपना सर्वश्रेष्ठ गेम खेल रही है। 2019 से 2022 तक भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष हिस्सा रहे गांगुली का मानना है कि भारतीय टीम में काफी प्रतिभाएं हैं और वह बड़े टूर्नामेंट में प्रदर्शन करना जानती है। गांगुली ने कैब द्वारा जारी वीडियो में कहा, भारत बेहद मजबूत टीम है और मेरे ख्याल से वह फिलहाल सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में है। बल्लेबाजी, स्पिन विभाग और जसप्रीत बुमराह की अगुआई में तेज गेंदबाजी आक्रमण को देखें तो टीम में काफी प्रतिभाएं हैं। ऐसे बड़े टूर्नामेंट में जरूरी होता है कि आप समय पर फॉर्म में आएं और टूर्नामेंट के दौरान अच्छा खेल दिखाएं। मुझे पता है कि अतीत में क्या हुआ वो मायने नहीं रखता, लेकिन मैं भारतीय टीम को प्रबल दावेदार मानता हूं। गत चैंपियन भारतीय टीम टूर्नामेंट में अपने अभियान की शुरुआत सात फरवरी को मुंबई में अमेरिका के खिलाफ करेगी।

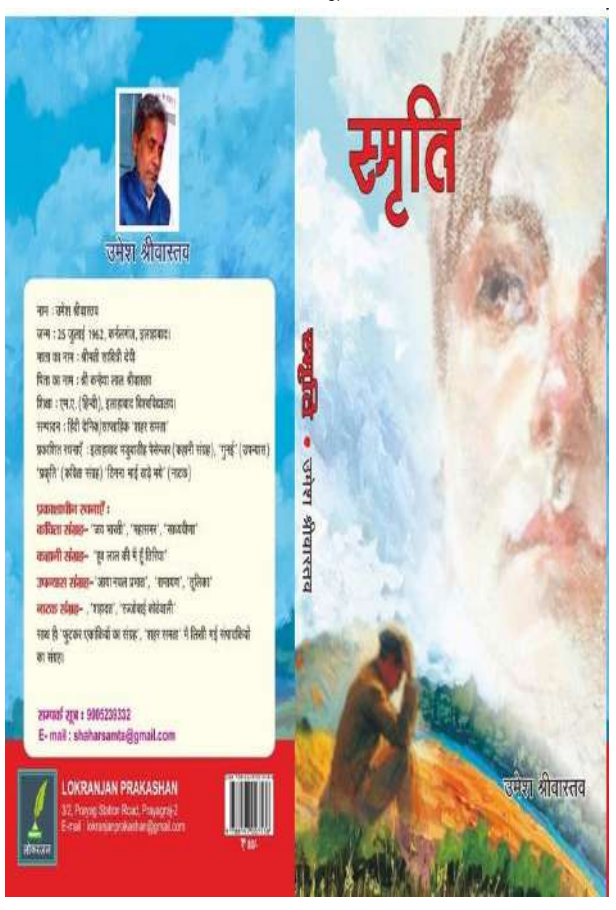

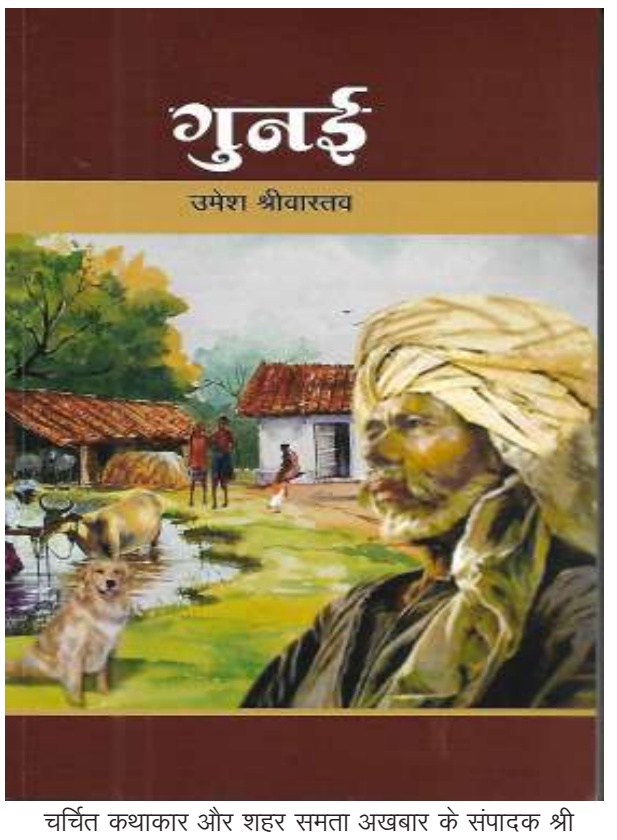

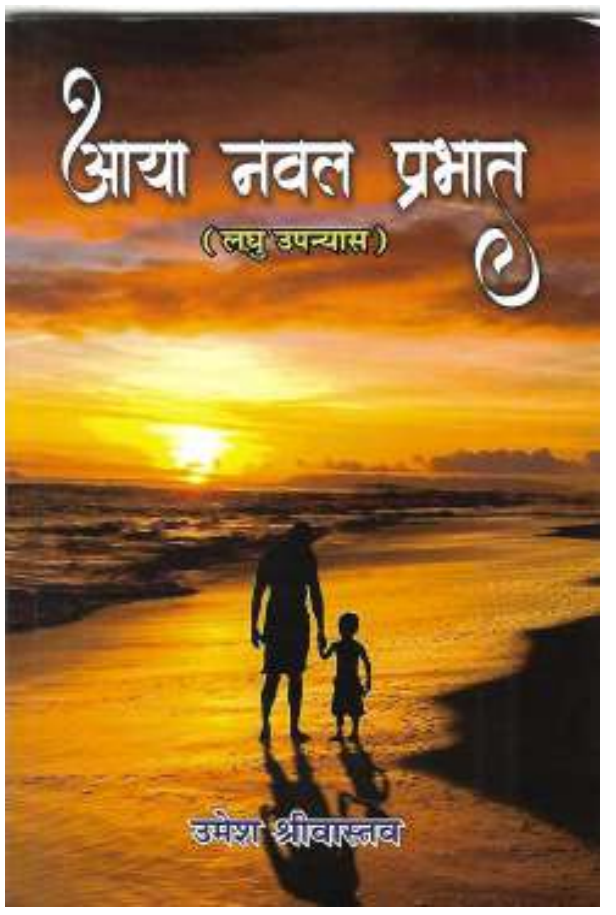

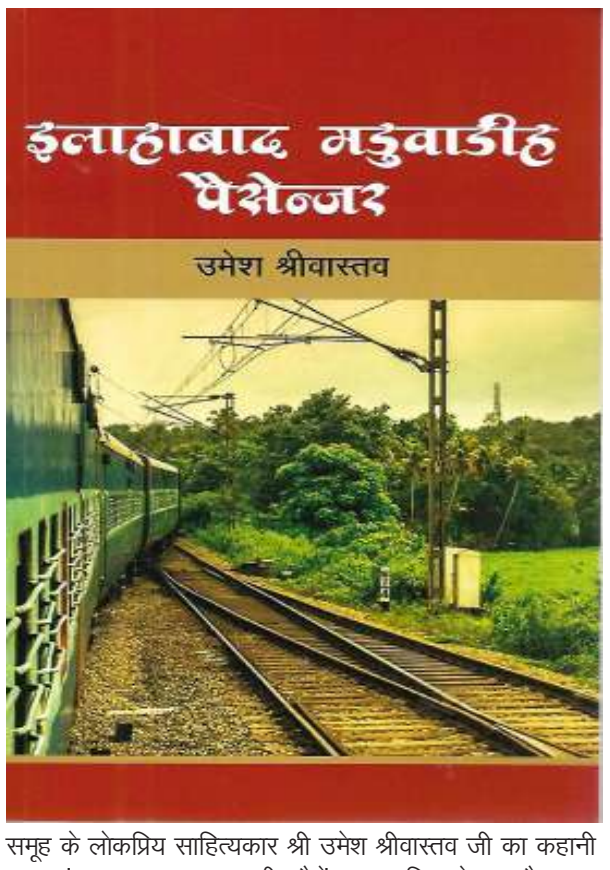

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

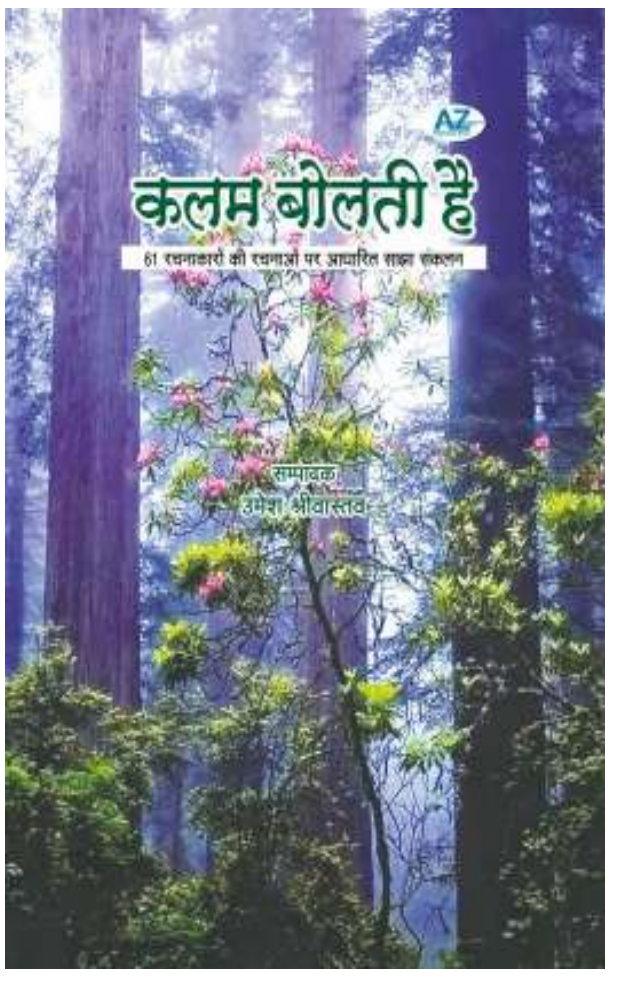

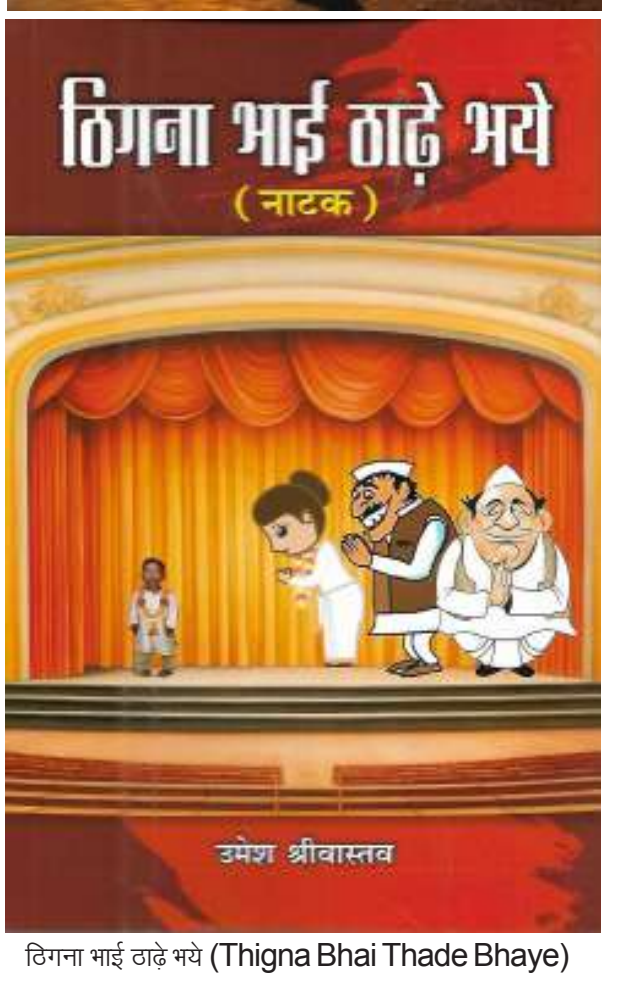

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

टाटा ट्रस्ट्स में बड़ा बदलाव प्रमित झवेरी छोड़ेंगे सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट

नई दिल्ली,एजेंसी। देश के सबसे प्रतिष्ठित कॉरपोरेट घरानों में से एक, टाटा समूह की मुख्य होल्डिंग कंपनी को नियंत्रित करने वाले सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट में शीर्ष स्तर एक और बड़ा बदलाव होने की खबर है। दिग्गज बैंकर और ट्रस्टी प्रमित झवेरी ने अपने पद से हटने का फैसला किया है। झवेरी का मौजूदा कार्यकाल 11 फरवरी, 2026 को समाप्त हो रहा है। अब उन्होंने साफ कर दिया है कि अब वे इस पद पर फिर से नियुक्त नहीं होना चाहते। फिर से शामिल होने से इनकाररू झवेरी ने अपने पत्र में साफ शब्दों में कहा है कि 11 फरवरी, 2026 को उनका कार्यकाल खत्म होने के बाद वे ट्रस्टी के रूप में पुनर्नियुक्ति के लिए विचार किए जाने के इच्छुक नहीं हैं। प्रमित झवेरी का जाना टाटा ट्रस्ट्स के बोर्ड में एक दौर का अंत है, जिसकी शुरुआत रतन टाटा के समय में हुई थी। अब सभी की निगाहें इस बात पर होंगी कि सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट में रिक्त हो रहे इस महत्वपूर्ण पद पर अगला नाम किसका होगा, क्योंकि टाटा समूह में लीडरशिप ट्रांजिशन का दौर जारी है।

तिलक वर्मा ने शुरू की टी20 विश्व कप की तैयारी

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय टीम के बल्लेबाज तिलक वर्मा ने सात फरवरी से होने वाले टी20 विश्व कप के लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं। तिलक के पेट की सर्जरी हुई थी जिससे उनके टी20 विश्व कप में खेलने पर संशय पैदा हो गया था। लेकिन अब वह पूरी तरह से फिटनेस हासिल करने के करीब हैं। उन्होंने बंगलूरू स्थित भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में मैच सिमुलेशन में हिस्सा लिया। तिलक ने अपने इंस्टाग्राम पर तस्वीरें पोस्ट की हैं जिसमें वह अभ्यास करते नजर आ रहे हैं। तिलक भारतीय टीम के अहम खिलाड़ी हैं और टी20 विश्व कप में उनकी भूमिका काफी महत्वपूर्ण होगी। तिलक का चोट के बाद वापसी करना भारत के लिए राहत भरी खबर है। आईपीएल में मुंबई इंडियंस के लिए खेलने वाले तिलक टी20 में भारत के लिए तीसरे नंबर पर उतरते हैं। तिलक की अनुपस्थिति में ईशान किशन न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में इस स्थान पर बल्लेबाजी के लिए उतर रहे हैं। ईशान ने भी इस स्थान पर बल्लेबाजी करते हुए अच्छा प्रदर्शन किया है।

देश में चीनी का उत्पादन 18 फीसदी बढ़ा, जानिए कौन सा राज्य रहा अव्वल

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय चीनी और जैव–ऊर्जा निर्माता संघ (आईएसएमए) के मुताबिक, जनवरी में भारत का चीनी उत्पादन बढ़कर 195.03 लाख टन हो गया। यह पिछले सीजन की समान अवधि में 164.79 लाख टन था। इस तरह साल–दर–साल आधार पर उत्पादन में 18.4 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। आईएसएमए के अनुसार, फिलहाल देशभर में 515 चीनी मिलें परिचालन में हैं, जो पिछले साल इसी समय संचालित 501 मिलों से थोड़ा अधिक है। चीनी पेराई का सीजन आमतौर पर अक्तूबर से शुरू होता है। आंकड़ों के मुताबिक, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और कर्नाटक देश के सबसे बड़े चीनी

उत्पादक राज्य हैं और तीनों राज्यों में इस साल उत्पादन बढ़ा है। महाराष्ट्र में चीनी उत्पादन 78.72 लाख टन तक पहुंच गया है, जो पिछले सीजन की समान अवधि के मुकाबले करीब 42 फीसदी अधिक है। राज्य में इस समय 206 मिलें चालू हैं, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह संख्या 190 थी। दूसरे नंबर पर रहने वाले उत्तर प्रदेश ने जनवरी के अंत तक 55.1 लाख टन चीनी का उत्पादन किया है। यह पिछले साल के मुकाबले करीब 2.5 लाख टन (लगभग 5 फीसदी) ज्यादा है, जिसे लगातार पेराई का समर्थन मिला। वहीं कर्नाटक में भी पेराई की रफ्तार बेहतर रही और उत्पादन में पिछले सीजन की तुलना में करीब 15 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई। आईएसएमए ने एक बार फिर चीनी के न्यूनतम विक्रय मूल्य में संशोधन की मांग दोहराई है। संगठन ने कहा कि बढ़ती उत्पादन लागत के अनुरूप MSP में जल्द संशोधन करना उद्योग की वित्तीय स्थिरता, किसानों को समय पर गन्ना भुगतान और बाजार में स्थिरता बनाए रखने के लिए जरूरी है।

पश्चिम एशिया में तनाव के बीच ईरान का बड़ा एलान, अमेरिकी युद्धपोत के पास करेगा नौसैनिक अभ्यास

दुबई/वॉशिंगटन अमेरिका ने ईरान की तरफ से अपना सबसे बड़ा बेड़ा भेजा है, जिससे पश्चिम एशिया में मौजूदा तनाव अपने चरम पर पहुंच गया है। वहीं ईरान ने भी मोर्चा संभालते हुए होर्मुज जलडमरूमध्य में दो दिवसीय नौसैनिक अभ्यास की घोषणा की है। इस पर अमेरिकी सेना के केंद्रीय कमान ने ईरानी सेना को चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि वह अमेरिकी युद्धपोतों के ऊपर से उड़ान भरने जैसे असुरक्षित युद्धाभ्यास को बर्दाश्त नहीं करेगा, जिसमें अमेरिकी जहाजों से टक्कर की दिशा में ईरानी स्पीडबोटों का आना भी शामिल है। वहीं इससे पहले ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि उनका देश निष्पक्ष और न्यायसंगत बातचीत के लिए तैयार है, लेकिन उन्होंने ट्रंप की मुख्य मांगों को खारिज कर दिया। अराघची ने कहा कि रक्षा रणनीतियां और मिसाइल प्रणालियां कभी भी बातचीत का विषय नहीं होंगी। ईरान की तरफ से ये भी दावा किया गया है कि हाल ही में हुए 12–दिवसीय युद्ध से उसकी सैन्य क्षमताएं पहले से ज्यादा मजबूत हुई हैं। ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी के मुताबिक, सेना प्रमुख अमीर हातमी ने एक सैन्य समारोह में कहा कि इस संघर्ष से ईरानी सेना को अपनी ताकत और कमजोरियों को समझने का मौका मिला, साथ ही विरोधी पक्ष की रणनीति को भी बेहतर ढंग से परखा गया। हातमी के अनुसार, इस युद्ध के बाद ईरान की मिसाइल प्रणाली, हवाई रक्षा और समग्र सैन्य क्षमता पहले से बेहतर और मजबूत स्थिति में है। उन्होंने इसे ईरान के लिए अनूठा अनुभव बताया, जिससे भविष्य में किसी भी हमले से निपटने की तैयारी और पुख्ता हुई है। ईरान जल्द ही जिन नौसैनिक अभ्यासों की तैयारी कर रहा है, उनका केंद्र होर्मुज जलडमरूमध्य माना जा रहा है। यह संकरा जलमार्ग फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी से जोड़ता है और दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री रास्तों में से एक है। इस जलडमरूमध्य से होकर बड़ी मात्रा में तेल और गैस दुनिया भर में जाती है, ईरान और ओमान के क्षेत्रीय जल होने के बावजूद, इसे अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग माना जाता है, अमेरिका के ऊर्जा सूचना प्रशासन के अनुसार, यहां से गुजरने वाले अधिकतर तेल–गैस के लिए कोई वैकल्पिक मार्ग नहीं है। इसका बड़ा हिस्सा एशियाई देशों को सप्लाई होता है पिछले साल जून में इस्राइल की तरफ से ईरान पर किए गए 12–दिवसीय हमले के दौरान इस मार्ग को लेकर तनाव बढ़ा था, जिससे वैश्विक ऊर्जा कीमतों पर भी असर पड़ा। ईरान के शीर्ष सुरक्षा अधिकारी और सर्वोच्च नेता के सलाहकार अली शमखानी ने कहा है कि किसी भी दुश्मन कार्रवाई का प्रभावी और डर पैदा करने वाला जवाब दिया जाएगा। उन्होंने साफ किया कि ईरान सिर्फ समुद्र तक ही सीमित नहीं रहेगा, बल्कि व्यापक और उन्नत सैन्य विकल्पों के लिए पूरी तरह तैयार है। शमखानी ने कहा कि फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी में अमेरिकी सैन्य मौजूदगी बढ़ने का मतलब यह नहीं कि अमेरिका को यहां बढ़त मिल गई है। उन्होंने कहा, श्यह हमारा क्षेत्र है, इसकी भौगोलिक स्थिति और ताकत को हम किसी भी बाहरी शक्ति से बेहतर जानते हैं।

एपस्टीन फाइल्स में सामने आया जोहरान ममदानी की मां मीरा नायर का नामय हुआ ये बड़ा खुलासा

वाशिंगटन,एजेंसी। अमेरिका में जेफरी एपस्टीन से जुड़े दस्तावेजों ने एक बार फिर तहलका मचा दिया है। अमेरिकी न्याय विभाग ने हाल ही में एपस्टीन केस से जुड़े 30 लाख से ज्यादा पेजों के दस्तावेज जारी किए हैं, जिसमें 2,000 वीडियो और 1,80,000 तस्वीरें शामिल हैं। इन नए दस्तावेजों में न्यूयॉर्क सिटी के मेयर जोहरान ममदानी की मां और फिल्म डायरेक्टर मीरा नायर का नाम भी सामने आया है। दस्तावेजों में दावा किया गया है कि मीरा नायर ने 2009 में अपनी फिल्म अमेलिया के लिए आयोजित एक आफ्टर–पार्टी में शिरकत की थी। चौंकाने वाली बात यह है कि यह पार्टी यौन तस्करी की दोषी गिसलेन मैक्सवेल के घर पर हुई थी। यह जानकारी 21 अक्टूबर 2009 के एक ईमेल से सामने

आई है। यह ईमेल पब्लिसिस्ट पैगी सीगल ने जेफरी एपस्टीन को भेजा था। ईमेल पार्टी के ठीक बाद सुबह के समय भेजा गया था। इस ईमेल में पार्टी में शामिल हुए मेहमानों के बारे में बताया गया था, जिसमें पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन और अमेजन के सीईओ जेफ बेजोस भी शामिल थे। ईमेल में लिखा था, फिल्म की पार्टी के बाद अभी–अभी घिसलेन के घर से निकली हूं। बिल क्लिंटन और जेफ बेजोस भी वहां थे। डायरेक्टर मीरा नायर आदि। ईमेल में दावा किया गया कि मीरा नायर की फिल्म को लेकर मेहमानों की प्रतिक्रिया कुछ खास नहीं थी।

एपस्टीन फाइलों में टेस्ला के सीईओ एलन मस्क का भी नाम है। दस्तावेजों में एपस्टीन और मस्क के बीच हुए कई ईमेल मिलने का दावा किया गया है। नवंबर 2012 में एपस्टीन ने मस्क को एक ईमेल भेजकर पूछा, ष्द्वीप पर हेलीकाप्टर से कितने लोग आएंगे। इस पर मस्क ने 25 नवंबर 2012 को जवाब दिया, ष्शायद बस मैं और तलुलाह। आपके द्वीप पर सबसे जबरदस्त पार्टी किस दिन या रात होगी। इस खुलासे ने कई नई बहसों को जन्म दे दिया है। अमेरिकी न्याय विभाग ने 30 लाख से ज्यादा पन्नों के दस्तावेज जारी किए हैं, जिनमें 2,000 वीडियो और 1,80,000 तस्वीरें शामिल हैं।

न्याय विभाग ने एक फाइल को हटाकर फिर से किया जारी

वॉशिंगटन,एजेंसी। अमेरिकी न्याय विभाग ने शुक्रवार (30 जनवरी) को एपस्टीन फाइल्स से जुड़े और डॉक्यूमेंट्स जारी कर दिए हैं। जिसमें 30 लाख से अधिक पन्ने, 2000 से ज्यादा वीडियो और करीब 180,000 तस्वीरें शामिल हैं। इस बीच अमेरिका के न्याय विभाग (क्व्श्र) ने एक ऐसी फाइल को अस्थायी रूप से अपनी वेबसाइट से हटा दिया, जिसमें डोनाल्ड ट्रंप और यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन से जुड़े आरोपों का जिक्र था। हालांकि बाद में इस फाइल को दोबारा प्रकाशित कर दिया गया। इस फाइल में एफबीआई के नेशनल थ्रेट ऑपरेशन सेंटर (छज्व्ब्) को मिली शिकायतों का एक स्प्रेडशीट सारांश शामिल था। इन

शिकायतों में ट्रंप और एपस्टीन से जुड़े कथित आरोपों का जिक्र है, हालांकि इन शिकायतों के सत्यापन का कोई ठोस प्रमाण सामने नहीं आया है। न्याय विभाग ने यह स्पष्ट नहीं किया है कि फाइल को क्यों हटाया गया और फिर दोबारा क्यों जारी किया गया। विभाग की ओर से इस मामले पर अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी गई है। दस्तावेज के मुताबिक कुछ शिकायतें करीब 35 साल पुरानी हैं। फाइल के साथ जुड़े एक ईमेल में लिखा है कि यह वह सूची है, जिसे व्हिटनी को ट्रंप पर आरोप लगाने वालों के नामों के साथ भेजा था। इस दस्तावेज में कुल 16 शिकायतों का जिक्र है, जिनमें अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन और दिवंगत सिंगर लिसा मैरी प्रेस्ली जैसे अन्य चर्चित नाम भी शामिल बताए गए हैं। शिकायतों के सारांश से यह भी सामने आया है कि कम से कम आठ शिकायतकर्ताओं ने अपनी पहचान या संपर्क विवरण साझा नहीं किया था। वहीं एक नोट में कहा गया है कि, श्कुछ लोग दूसरों से सुनी गई बातों के आधार पर जानकारी दे रहे हैं।श एक शिकायत के जवाब में लिखा गया है कि कॉल करने वाले से बातचीत की गई और मामला वॉशिंगटन कार्यालय को इंटरव्यू के लिए भेजा गया, लेकिन उस इंटरव्यू से क्या निष्कर्ष निकला, यह स्पष्ट नहीं है।

अंतरिक्ष में चीन का एआई दांव

चीन ने अंतरिक्ष में दुनिया का पहला जनरल पर्पज लार्ज स्केल एआई मॉडल स्थापित करने में सफलता का दावा किया है। अंतरिक्ष की दौड़ में चीन की इस उपलब्धि से सामरिक गलियारों में हलचल तेज हो गई है।

इससे चीन अंतरिक्ष में जल्द ही एआई संचालित डाटा सेंटर स्थापित कर युद्ध के मैदान की रीयल टाइम इंटेलिजेंस हासिल कर सकता है। चीन ने अंतरिक्ष में मौजूद अपने सैटेलाइट क्लस्टर पर सीधे एआई प्रॉम्प्ट को प्रोसेस करने में सफलता पाई है। अब तक सैटेलाइट केवल तस्वीरें लेकर कच्चा डेटा जमीन पर प्रोसेस करने के लिए भेजते थे।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
.919450482227

इस्राइल के दबाव में थे डोनाल्ड ट्रंप? एपस्टीन फाइल के दावों ने मचाई सनसनीय इस शख्स का बताया दखल

वाशिंगटन,एजेंसी। अमेरिका के न्याय विभाग ने बहुचर्चित एपस्टीन फाइल्स के एक और बैच को जारी कर दिया है। इस खेप में 30 लाख दस्तावेज के साथ 1.80 लाख फोटो और 2 हजार वीडियो शामिल है। शुक्रवार (31 जनवरी) को प्रकाशित किए गए दस्तावेजों में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को लेकर कई गंभीर और सनसनीखेज आरोप सामने आए हैं। जिसके बाद हड़कंप मचना तय माना जा रहा है। जेफरी एपस्टीन से जुड़ी फाइलों के नवीनतम बैच में सामने आए आरोपों पर एफबीआई की एक रिपोर्ट में श्विश्वसनीयश गोपनीय सूत्रों के हवाले से दावा किया गया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर इस्राइल का दबाव था यानी इस्राइल के साथ समझौता किया गया। इतनी ही नहीं ट्रंप अपने एक करीबी शख्स के इतने जाल में थे कि उनके पहले कार्यकाल के दौरान ट्रंप के कारोबार और राष्ट्रपति के कामकाज दोनों पर बहुत ज्यादा दखल था। जिस शख्स के बारे में बताया गया है, वो ट्रंप के दामाद जैरेड कुशनर हैं। इस विस्फोटक दस्तावेज में यह भी दावा किया गया है कि कुशनर के परिवार के भ्रष्टाचार, रूसी धन प्रवाह और कट्टर यहूदी चबाड नेटवर्क से संबंध थे। रिपोर्ट में कुशनर के पारिवारिक इतिहास के बारे में बताया, जिसमें कहा गया कि उनके पिता को पहले वित्तीय आरोपों में दोषी ठहराया गया था, लेकिन बाद में उन्हें ट्रंप से राष्ट्रपति क्षमादान मिला। रिपोर्ट में दावा किया गया कि कुशनर ने रूसी निवेश की बड़ी रकम को इधर–उधर स्थानांतरित किया और रूसी राज्य से जुड़े संस्थानों से संबंधित हितों का ठीक से खुलासा नहीं किया। इसी के साथ रियल एस्टेट निवेश प्लेटफॉर्म कैडर में कुशनर की हिस्सेदारी को चिंता का विषय बताया गया है और सूत्र ने सवाल उठाया है कि क्या रूसी धन को बिचौलियों के माध्यम से अमेरिकी परियोजनाओं में लगाया गया था। इसके अलावा एफबीआई की रिपोर्ट में ट्रंप के रियल एस्टेट सौदों पर पहले की रिपोर्ट्स का हवाला दिया गया, जिसमें विवादित बेवर्ली हिल्स हवेली का सौदा भी शामिल है, जिसमें ट्रंप ने लगभग 41 मिलियन अमेरिकी डॉलर में एक संपत्ति खरीदी और बाद में उसे विदेशी संबंधों वाली एक फर्जी कंपनी को 95 मिलियन अमेरिकी डॉलर में बेच दिया। गोपनीय सूत्रों ने इस सौदे को श्विसंगतियों और संदेहास्पद संकेतोंश से भरा बताया, जिसकी अपारदर्शी वित्तीय लेनदेन के व्यापक पैटर्न के हिस्से के रूप में गहन जांच की जरूरत थी।

एपस्टीन से जुड़े नए दस्तावेजों में माइक्रोसॉफ्ट के सह–संस्थापक बिल गेट्स को लेकर भी सनसनीखेज खुलासा किए गए हैं। फाइलों में शामिल कुछ ईमेल ड्राफ्ट्स में आरोप लगाया गया है कि बिल गेट्स ने रूसी महिलाओं के साथ संबंध बनाए और कथित तौर पर यौन संचारित रोग (एसटीडी) हो गया था और उन्होंने तत्कालीन पत्नी मेलिंडा गेट्स को गुप्त रूप से एंटीबायोटिक्स देने की कोशिश की थी। ये दावे एपस्टीन की ओर से साल 2013 में खुद को लिखे गए ईमेल में सामने आए हैं। इन आरोपों की अभी तक पुष्टि नहीं हुई है। हालांकि गेट्स ने इन अपुष्ट दावों का खंडन करते हुए कहा कि दस्तावेजों से एपस्टीन की हताशा और उन्हें बदनाम करने के प्रयासों का पता चलता है।

यूक्रेन में रूस को कोई नहीं हरा सकता, अरब लीग प्रमुख का बड़ा बयान

नई दिल्ली,एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय स्थिरता पर अपना व्यापक दृष्टिकोण रखते हुए अबुल घेइत ने शुक्रवार को इंडियन काउंसिल ऑफ वर्ल्ड अफेयर्स की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि शीत युद्ध के बीच रूस, अमेरिका और चीन शांति बनाए हुए थे, अन्यथा परमाणु हथियार सक्रिय हो जाते। इस ऐतिहासिक संतुलन को मौजूदा वास्तविकताओं से जोड़ते हुए उन्होंने कहा कि मॉस्को अपनी स्थिति को मजबूत करना जारी रखे हुए है। इसी के साथ उन्होंने दावा किया कि रूस अपनी क्षमता का निर्माण कर रहा है और यूक्रेन में कोई भी रूस को हरा नहीं सकता। अपने इस बिंदु को रेखांकित करने के लिए पूर्व के संघर्षों से तुलना करते हुए अरब लीग प्रमुख ने कहा कि आप अफगानिस्तान में रूस को हरा सकते हैं, क्योंकि यह मॉस्को से 11,000 मील दूर है। वर्तमान भू–राजनीतिक बदलावों पर चर्चा करते हुए अबुल घेइत ने बदलती रणनीतियों के बारे में बात करते हुए कहा कि अमेरिका रूस को चीन से दूर करने की कोशिश कर रहा है।ष यूरोप में पहले के घटनाक्रमों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा, श्पुतिन के उदय और कुछ फ्रांसीसी राजनेताओं के प्रस्ताव के साथ रूस 1993–94 में नाटो में शामिल होना चाहता था।ष बता दें कि उस दौर में रूस ने पश्चिमी सुरक्षा ढांचों के साथ घनिष्ठ संबंध स्थापित करने की संभावना तलाशी, और तत्कालीन राष्ट्रपति बोरिस येल्तसिन ने उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के प्रति सहयोगात्मक दृष्टिकोण अपनाया, जिसमें एक नए यूरोपीय सुरक्षा ढांचे के हिस्से के रूप में संभावित सदस्यता में रुचि दिखाना भी शामिल था। इस दौरान येल्तसिन ने तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन से बातचीत की और चिंता व्यक्त की कि नाटो का पूर्व की ओर विस्तार शीत युद्ध के बाद के समझौतों की भावना के विपरीत है, हालांकि मॉस्को ने शुरू में इस प्रक्रिया को सीधे तौर पर रोकने से परहेज किया और इसके बजाय जुड़ाव तंत्र को विस्तार के संभावित विकल्प के रूप में देखा। अरब लीग के महासचिव अहमद अबुल ने चेतावनी दी कि ईरान के खिलाफ कोई भी सैन्य कार्रवाई पश्चिम एशिया और उससे परे व्यापक अस्थिरता को जन्म दे सकती है। उन्होंने गाजा में चल रहे संघर्ष को समाप्त करने के लिए अमेरिका के नेतृत्व वाले शांति बोर्ड को अरब देशों के समर्थन का बचाव करते हुए इसे एक व्यावहारिक प्रयास बताया। इंडियन काउंसिल ऑफ वर्ल्ड अफेयर्स के कार्यक्रम में अबुल घेइत ने अरब लीग की व्यापक क्षेत्रीय स्थिति को बताते हुए कहा कि खाड़ी देशों ने लगातार सैन्य टकराव को अस्वीकार किया है और राजनयिक समाधानों का समर्थन किया है। संभावित टकराव के जोखिमों पर विस्तार से बताते हुए उन्होंने कहा कि अगर ऐसी कोई घटना होती है, तो यह पश्चिम एशिया और सभी के लिए नकारात्मक होगी। उन्होंने आगे कहा कि यह विश्व की शांति के लिए एक आपदा होगी। वह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खाड़ी में जंगी बेड़ा भेजने के एलान पर जवाब दे रहे थे। इस बयान के बाद तेहरान के खिलाफ संभावित सैन्य कार्रवाई की आशंकाएं बढ़ गई हैं।

अमेरिका में एक बार फिर से सरकार का शटडाउन

वॉशिंगटन,एजेंसी। पिछले साल नवंबर महीने में अमेरिकी इतिहास का सबसे लंबा शटडाउन खत्म हुआ था, लेकिन इसके कुछ महीने बाद एक बार फिर से अमेरिका में शटडाउन शुरू हो गया है। अब फिर से 31 जनवरी को अमेरिका एक और आंशिक बंदी शुरू हो गई, क्योंकि सांसद 30 जनवरी की समय सीमा तक फंडिंग बिल पारित करने में विफल हो गए। हालांकि अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि बजट आवंटन में यह रुकावट कितने समय तक चलेगी। लेकिन सीनेट में डेमोक्रेट, रिपब्लिकन और व्हाइट हाउस के बीच हाल के दिनों में बनी गति को देखते हुए, इसके पिछली बार की तरह लंबे समय तक खिंचने की संभावना नहीं है। सीनेट ने शुक्रवार शाम को एक व्यय विधेयक पारित किया, जो गृह सुरक्षा विभाग (जो आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन और सीमा गश्ती की देखरेख करता है) के लिए व्यय को दो सप्ताह के लिए बढ़ाता है, जबकि सांसद आईसीईई सुधारों पर बातचीत करते हैं,

और सितंबर तक अन्य सरकारी एजेंसियों को धन उपलब्ध कराता है। मिनियापोलिस में संघीय आव्रजन एजेंटों द्वारा रेनी गुड और एलेक्स प्रेटी की गोली मारकर हत्या किए जाने के बाद से डीएचएस और आईसीईई विवादों में घिरे हुए हैं। हाल के दिनों में डेमोक्रेट्स ने आव्रजन प्रवर्तन में बदलाव की मांग की है, जिससे कामकाज ठप होने का खतरा पैदा हो गया है। अब यह विधेयक प्रतिनिधि सभा में जाएगा, जो फिलहाल अवकाश पर है। रिपब्लिकन प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष माइक जॉनसन ने कहा कि सोमवार को ही सदन में मतदान होने की संभावना है।

बता दें कि यह पूर्ण बंद नहीं, केवल आंशिक रूप से बंद है, कुछ एजेंसियों का काम चलता रहेगा, कुछ सरकारी सेवाएं फिलहाल बंद रहेंगी। सबसे बड़ा विवाद अमेरिकी गृह विभाग (डीएचएस) और उसके तहत आने वाले एजेंसियां– जैसे आईसीईई (आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन) और बॉर्डर पेट्रोल को लेकर है। डेमोक्रेट सांसद इस बात पर नाराज हैं कि मिनियापोलिस शहर में दो नागरिकों को संघीय एजेंटों ने गोली मारकर मार दिया। इस कारण डेमोक्रेट चाहते हैं कि डीएचएस और आईसीईई पर कठोर सुधार, जवाबदेही और निगरानी लागू की जाएं– तभी वे फंड देने पर सहमत होंगे।

डेमोक्रेट्स ने कहा कि वे डीएचएस के लिए फंडिंग बिना सुधारों के नहीं देंगे। इस पर सीनेट और व्हाइट हाउस ने एक समझौता किया, जिसमें डीएचएस को केवल दो हफ्तों तक के लिए फंड दिया गया है ताकि सुधारों पर बातचीत जारी रहे, लेकिन इससे भी तत्काल फंडिंग मंजूर नहीं हो पाई।

सरकारी सेवाओं में रुकावट के कारण कुछ विभागों की सेवाएं थम सकती हैं। सरकारी कर्मचारी अंशतः छुट्टी पर, कुछ कर्मचारियों को बिना वेतन के घर भेजा जा सकता है।

सुरक्षा एजेंसियां कुछ हद तक काम जारी रख सकती हैं। लेकिन यह बंद पिछली बार जैसा नहीं रहने की उम्मीद है– क्योंकि सीनेट का समझौता जल्द ही प्रतिनिधि सभा के वोट के लिए लौटेगा।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।